मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 2 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 184 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ प्रकृति की नन्हीं दूत है चिड़िया

26 साल बाद दिखेंगीं शिल्पा और जैकी की जोड़ी 6

ईरान के हमले से कतर की एलएनजी सप्लाई प्रभावित, दुनिया की टेंशन बढ़ी, पांच साल तक रहेगा असर

घटना का भारत पर पड़ेगा भारी असर, भारत अपनी कुल एलएनजी जरूरत का लगभग 47 प्रतिशत कतर से आयात करता है

नई दिल्ली : मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने न सिर्फ इजरायल और अमेरिका, बल्कि खाड़ी देशों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। बुधवार रात ईरान ने कतर के प्रमुख तेल और गैस प्रतिष्ठानों पर हमला किया, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में हलचल मच गई है। इस हमले में कतर की रास लफान स्थित एलएनजी(लिक्विफाइड नेचुरल गैस) रिफाइनरी को भारी नुकसान पहुंचा है। शुरूआती आकलन के अनुसार, कतर की कुल एलएनजी निर्यात क्षमता का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नुकसान की भरपाई और मरम्मत में तीन से पांच साल तक का समय लग सकता है। कतर एनर्जी के सीईओ और ऊर्जा मामलों के मंत्री साद शेरिदा अल-काबी ने बताया कि 18 और 19 मार्च 2026 को हुए मिसाइल हमलों में उत्पादन सुविधाओं को गंभीर क्षति पहुंची है। इसके चलते कंपनी को कुछ दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंधों पर फोर्स मेज्योर घोषित करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस हमले से कतर को सालाना लगभग 20 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान हो सकता है। हमले में एलएनजी उत्पादन की दो प्रमुख यूनिट–ट्रेन 4 और ट्रेन 6– क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिनकी संयुक्त उत्पादन क्षमता 12.8 मिलियन टन प्रति वर्ष है। यह कतर के कुल एलएनजी निर्यात का बड़ा हिस्सा है। इस घटना का सबसे बड़ा असर भारत पर पड़ने की आशंका है। भारत अपनी कुल एलएनजी जरूरत का लगभग 47 प्रतिशत कतर से आयात करता है। वर्ष 2024 में भारत ने कुल 27.8 मिलियन मीट्रिक टन एलएनजी आयात किया था, जिसमें से 11.30 एमएमटी कतर से आया था। आपूर्ति में इस व्यवधान से भारत में गैस की उपलब्धता और कीमतों पर सीधा असर पड़ सकता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति लंबी चली, तो घरेलू बाजार में गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं और उद्योगों पर दबाव बढ़ेगा। कतर के अलावा इस संकट का असर चीन, दक्षिण कोरिया, इटली और बेल्जियम जैसे देशों पर भी पड़ेगा, जो एलएनजी आयात के लिए कतर पर निर्भर हैं।

भारत सरकार का बड़ा कदम

तेल-गैस कंपनियों पर 'आवश्यक वस्तु अधिनियम' लागू, डेटा शेयरिंग अनिवार्य

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और तेल-गैस के वैश्विक संकट के बीच सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है। इस कानून के तहत अब पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस से जुड़े उत्पादन, प्रसंस्करण, शोधन, भंडारण, आयात-निर्यात, मार्केटिंग और उपभोग से संबंधित सभी कंपनियों को सरकार के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) को ताजा डेटा देना अनिवार्य होगा।

पीपीएसी, पेट्रोलियम मंत्रालय का डेटा संग्रहण विभाग है। मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के अनुसार, आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 के तहत जारी राजपत्र अधिसूचना में पीपीएसी को सूचना एकत्र करने, संकलित करने, संरक्षित रखने और विश्लेषण करने वाली एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। इससे आपात स्थिति में तेल मंत्रालय को प्रभावी योजना बनाने में मदद मिलेगी। धारा 3 के तहत जारी किसी भी आदेश का उल्लंघन अपराध माना जाएगा, जिसके लिए जेल की सजा का प्रावधान है।

आवश्यक वस्तु अधिनियम का उद्देश्य नागरिकों को उचित कीमतों पर जरूरी वस्तुएं उपलब्ध कराना है। यह कानून जमाखोरी, कालाबाजारी और कृत्रिम कमी को रोकने में भी मदद करता है, जिससे देश में खाद्य और आपूर्ति सुरक्षा बनी रहती है।

धारा 3 के अंतर्गत केंद्र सरकार उत्पादन, आपूर्ति और वितरण को नियंत्रित कर सकती है। इसके तहत स्टॉक सीमा तय करने, व्यापार को विनियमित करने, कीमतें निर्धारित करने और जमाखोरी पर रोक लगाने का अधिकार है। वहीं, धारा 5 के तहत केंद्र सरकार इन शक्तियों को राज्य सरकारों को सौंप सकती है, ताकि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। देश लगभग 40 देशों से कच्चा तेल मंगाता है, जिनमें वेनेजुएला, रूस और अमेरिका प्रमुख हैं। इसके अलावा, प्राकृतिक गैस का आयात अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे और रूस से किया जाता है।

थाने की हाजत में कैदी ने लगाई फांसी, पुलिस महकमे में हड़कंप

कोडरमा: जिले के जयनगर से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। खबर है कि जयनगर थाने की हाजत में एक कैदी ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। यह मामला शुक्रवार का है। युवक को पुलिस ने पत्नी को प्रताड़ित करने पर हिरासत में लिया था। हाजत में युवक ने कंबल फाड़कर फांसी लगा ली। इस घटना के बाद कोडरमा जिला पुलिस के हाथ-पांव फूल गए हैं। अधिकारी सकते में हैं और पूरे महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

एमजीएम हॉस्पिटल में मरीज ने की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

जमशेदपुर: मानगो डिमना में स्थित कोल्हान के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमजीएम हॉस्पिटल में इलाज करा रहे एक मरीज ने आत्महत्या कर ली। मरीज को कुछ दिनों पहले ही इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, परसुडीह थाना इलाके के कीताडीह का रहने वाला 25 साल का अरशद आलम पिछले चार-पांच दिनों से गंभीर बीमारी की वजह से महात्मा गांधी मेमोरियल एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती था।

उसका मेडिसिन विभाग के वार्ड में इलाज चल रहा था। घटना के समय सिर्फ उसकी मां ही मौजूद थी। यह घटना शुक्रवार सुबह की है। अरशद आलम अपने बेड से उठकर बाहर चला गया। थोड़ी देर बाद ही उसने आत्महत्या कर ली। इस घटना से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक अरशद आलम नशे का आदी था और गंभीर बीमारी से पीड़ित था। सूचना मिलने पर मृतक का परिवार हॉस्पिटल पहुंचा।

झारखंड में आज बारिश, ओलावृष्टि वज्रपात और तेज हवा का अलर्ट

रांची: झारखंड में आज मौसम का मिजाज बदला हुआ रहने वाला है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार राज्य के अधिकांश हिस्सों में आंशिक बादल छाए रहेंगे और कई जगहों पर मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है । मौसम विभाग ने खासतौर पर उत्तर-पूर्वी और मध्य झारखंड के इलाकों में सतर्क रहने की सलाह दी है । इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं । जिसकी रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा रहने का अनुमान है । वहीं कुछ स्थानों पर वज्रपात का भी अलर्ट जारी किया गया है । इसे लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है । वहीं, दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में भी मौसम का असर देखने को मिलेगा. यहां गरज के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और हल्की बारिश की संभावना है । मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी. हालांकि इसके बाद तापमान में फिर से बढ़ोतरी के संकेत हैं। झारखंड के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है । राज्य के प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 31 डिग्री से 38 डिग्री के बीच रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 16 डिग्री से 22 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया । राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री और न्यूनतम 19.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से थोड़ा अधिक है । वहीं जमशेदपुर में पारा 36.0 डिग्री तक पहुंच गया है, जबकि रात का तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है ।

प्लीज हमें पानी दे दो..सिंधु जल संधि पर यूएन में रोया पाकिस्तान, भारत ने कहा- पहले हरकतें सुधारो

नई दिल्ली : ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच जल विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने के बाद पाकिस्तान लगातार इसे बहाल करने की मांग कर रहा है और इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठा रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भी पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया, जबकि कार्यक्रम का मुख्य विषय सभी के लिए सुरक्षित जल और स्वच्छता सुनिश्चित करना था।

इस पर भारत ने कड़ा जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी। हरीश ने कहा कि संधियों की पवित्रता की बात करने से पहले पाकिस्तान को मानव जीवन की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान पर आतंकवाद को राज्य नीति के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन पूरी तरह बंद नहीं करता, तब तक संधि निलंबित रहेगी।

हरीश ने यह भी कहा कि भारत हमेशा एक जिम्मेदार ऊपरी तटीय देश रहा है, लेकिन जिम्मेदारी दोनों पक्षों से निभाई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने भारत पर युद्ध थोपे और हजारों आतंकवादी हमलों को बढ़ावा दिया, जिससे निर्दोष नागरिकों की जान गई।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि सिंधु जल संधि पर मूल रूप से सद्भावना और सहयोग की भावना से हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन समय के साथ परिस्थितियों में बदलाव आया है। पिछले 65 वर्षों में तकनीक, जनसंख्या और पर्यावरण में हुए बदलावों को देखते हुए संधि में संशोधन की आवश्यकता बताई गई, हालांकि पाकिस्तान ने इस पर बातचीत से इनकार कर दिया।

भारत ने 1960 में हुई इस संधि को पिछले वर्ष पहलगाम हमले के बाद निलंबित किया था। इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट नामक संगठन ने ली थी, जिसे लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा माना जाता है। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया।

संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम में भारत ने यह भी रेखांकित किया कि वह सुरक्षित जल और स्वच्छता से जुड़े सतत विकास लक्ष्यों को प्राथमिकता देता है। सरकार का जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसके तहत अब तक 81.76 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों, यानी लगभग 15.8 करोड़ घरों तक नल से सुरक्षित पेयजल पहुंचाया जा चुका है।

इंदुमती टिबड़ेवाल विद्यालय में मना नव वर्ष प्रतिपदा उत्सव

चतराः गुरुवार को स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, दीभा,चतरा में भैया-बहनों एवं आचार्य दीदी जी द्वारा हिंदू नव वर्ष उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भव्य पथ संचलन से हुई, जिसमें पलामू विभाग के विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार एवं प्राचार्य रमेश कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इसके बाद विद्यालय के असेंबली हॉल में आयोजित सभा में विद्यालय प्रभारी अयोध्या सिंह ने अतिथियों का परिचय कराया। मुख्य वक्ता हिंदी विषय के वरीय आचार्य चंद्रमोहन मिश्रा ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी और इसी से विक्रम संवत का आरंभ होता है। साथ ही उन्होंने बताया कि आज ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की जयंती भी मनाई जाती है। उन्होंने सभी को बड़ों का आशीर्वाद लेने, घर पर भगवा ध्वज लगाने एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह ने नव संवत्सर विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ के अवसर पर सभी के प्रति आभार और कृतज्ञता ज्ञापित करते करते हुए अपनी भारतीय सनातन संस्कृति और मूल्यों को अपनाने व संरक्षित रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय समिति के अध्यक्ष संतन पांडे, सचिव संजय सिन्हा,कोषाध्यक्ष मुकेश साह सहित सभी सदस्यों ने देशवासियों को हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएँ दीं।

201 कलश के साथ निकली भव्य यात्रा,नवरात्र सह चैती महोत्सव का शुभारंभ

चतराः जिले के लावालौंग प्रखंड मुख्यालय स्थित राम मंदिर में नवरात्र सह चैती महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को भक्ति और आस्था के माहौल में भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इस अवसर पर 201 श्रद्धालु महिलाओं एवं युवतियों ने सिर पर कलश रखकर बाजे-गाजे के साथ आकर्षक शोभायात्रा निकाली,जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा की शुरूआत लावालौंग राम मंदिर परिसर से हुई। यहां से श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में गाजे-बाजे के साथ मगरदहा नदी तक पहुंचे। नदी तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से कलश में जल भरा गया। इसके बाद सभी श्रद्धालु जल लेकर पुनः मंदिर परिसर लौटे,जहां पूरे धार्मिक रीति-रिवाज के साथ कलश स्थापना की गई। कलश स्थापना के उपरांत मां भगवती की आराधना हेतु दुर्गा सप्तशती का पाठ प्रारंभ किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही और जय माता दी के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा।चैती महोत्सव समिति के अध्यक्ष जगदेव प्रजापति ने बताया कि चैती नवरात्र के अवसर पर लगातार 9 दिनों तक दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धर्मराज दशमी के दिन हवन-पूजन एवं कलश विसर्जन के साथ महोत्सव का समापन होगा। इस दौरान रंजीत कुमार साहू के द्वारा सभी कलश यात्रियों के लिए लस्सी और प्रमुख मनीषा देवी के द्वारा पानी का व्यवस्था किया गया था। इस आयोजन में राजेंद्र पासवान, अरुण रजक,उपेंद्र केसरी, अशोक रजक,उमेश ठाकुर, त्रिवेणी रजक,अमित कुमार मिश्रा,दिनेश्वर प्रजापति,धर्मेंद्र प्रजापति,भरत प्रजापति,जितेंद्र प्रजापति,चंद्रदेव प्रजापति,राजू प्रजापति,सुरेश प्रजापति,और पप्पू साहू समेत क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी रही और सभी ने मां दुर्गा से सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

हिन्दू नव वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

चतराःहिन्दू नव वर्ष विक्रम संवत 2083 के उपलक्ष्य में गुरुवार की सुबह 10 बजे हंटरगंज में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा हंटरगंज के नब्बे महुआ से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों में भ्रमण किया। इस दौरान जय श्रीराम के उद्घोष से हंटरगंज की सड़कें गूंज उठी। शोभायात्रा के दौरान आरएसएस के लोगों ने जहां हिंदू एकता से संबंधित नारे लगाए वही भारत माता एवं जय श्री राम आदि के नारो से पूरा हंटरगंज गुंजायमान हो गया। शोभा यात्रा के क्रम में शामिल युवा वर्ग थिरकते हुए नववर्ष का जश्न मना रहे थे।शोभा यात्रा हाई स्कूल मैदान पहुंचकर विश्राम लिया। इसमें बच्चे, बूढ़े, युवा, युवती सभी शामिल हुए। सभी ने एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी। इस मौके पर आरएसएस के लोगों ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अस्तित्व पर आने वाले खतरों से सावधान रहने की जरुरत है। उन्होंने हिन्दू जनमानस से एकजुटता का आह्वान किया। इस अवसर पर अमित पासवान,अभय सिंह,भवानी सिंह, रौशन सिंह,पंकज सिंह, गुंजित सिंह, रिशु गुप्ता, वीरेंद्र सिंह मुन्ना, विवेक कुमार, दुर्गा वाहिनी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

सरहुल कल, आज रखा गया उपवास

मुरीः सिल्ली लुपुंग टोला आखड़ा में सरहुल पूजा की तैयारियों के तहत सिल्ली सरना समिति के अध्यक्ष भरत सिंह मुंडा, सचिव गोंदरा उरांव, कोषाध्यक्ष दुर्गा चरण बेदिया एवं अन्य सदस्यों द्वारा आज उपवास रखा गया है। अगामी 21 मार्च को पूजा एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए सरना समिति के सदस्यों ने प्रशासन से शौचालित शौचालय, जल का प्रबंध, सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवेदन किया है। शोभायात्रा पिस्का, मोदी डीह, हाकेदाग, गेडेवीर गोडाडीह क्षेत्र से निकल कर सिल्ली आखडा. में पहुंचेगी।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के घर पर चला बुलडोजर भारी सुरक्षा में कार्रवाई, इलाके में तनाव

संवाददाता

हजारीबागः जिले के जोरदाग झुमरी टांड़ में स्थित पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता योगेंद्र साव के घर को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई एनटीपीसी द्वारा भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच की गई।

सुरक्षा बलों की मौजूदगी में हुई कार्रवाईः जानकारी के अनुसार, यह मकान चट्टी बरियातू कोल माइंस परियोजना क्षेत्र के सामने स्थित था और जिस जमीन पर बना था, वह पहले से खनन कार्य के लिए कंपनी को आवंटित की जा चुकी थी। एनटीपीसी की टीम पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए इलाके में आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई थी।

सुरक्षा के थे कड़े इंतजाम : बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही योगेंद्र साव ने कंपनी और उसके कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए थे और कथित रूप से उनके खिलाफ आक्रामक रवैया भी अपनाया था। इसके बाद प्रशासन ने स्थिति को संवेदनशील मानते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे।

इलाके में तनाव का माहौलः कार्रवाई के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना रहा। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और मजदूर मौके पर जमा हो गए थे। प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाते हुए कहा कि यह कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है और जमीन कंपनी को खनन कार्य के लिए आवंटित है।

मातम में बदलीं खुशियां

लक्षणपुर डैम में डूबे युवक की मौत

संवाददाता

चतराः जिले के सदर प्रखंड स्थित भेड़ीफार्म के लक्षणपुर डैम से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने और नहाने गए 22 वर्षीय युवक छोटू कुमार दांगी की डैम में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है, वहीं मृतक के गांव बूढ़ीगड्ढा में चूल्हा तक नहीं जला है। जानकारी के अनुसार, कान्हाचट्टी प्रखंड के राजपुर पंचायत अंतर्गत बूढ़ीगड्ढा निवासी धनेश्वर दांगी का 22 वर्षीय पुत्र छोटू कुमार अपने पांच दोस्तों के साथ गुरुवार को लक्षणपुर डैम घूमने गया था। गर्मी और मस्ती के माहौल में सभी दोस्त डैम के पानी में नहाने उतरे। चश्मदीदों के मुताबिक, नहाने के दौरान अचानक छोटू का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी की ओर चला गया। तैरना न जानने के कारण वह खुद को संभाल नहीं सका और देखते ही देखते गहरे पानी में समा गया। छोटू को डूबता देख उसके दोस्तों ने शोर मचाना शुरू किया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण और स्थानीय तैराक मौके पर पहुंचे। तत्काल इसकी सूचना सदर थाना पुलिस और छोटू के परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजन बदहवास हालत में भेड़ीफार्म पहुंचे। सूचना पाकर सदर थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों और तैराकों ने भारी मशक्कत के बाद घंटों की खोजबीन के बाद छोटू को पानी के भीतर से बाहर निकाला। जब उसे बाहर निकाला गया, तब वह बेहोशी की हालत में था, लेकिन शरीर में हल्की हरकत और सांसें चलने की बात सामने आई। जब छोटू को पानी से निकाला गया, तो उम्मीद की एक किरण जगी थी। लगा कि शायद करिश्मा हो जाए और युवक की जान बच जाए। परिजनों और पुलिस ने बिना एक पल गंवाए युवक को लेकर चतरा सदर अस्पताल की ओर दौड़ लगा दी। रास्ते भर परिजन प्रार्थना करते रहे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। जैसे ही छोटू को सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ले जाया गया, डॉक्टरों ने उसकी जांच की। प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, फेफड़ों में अत्यधिक पानी भर जाने और दम घुटने के कारण उसकी मौत अस्पताल पहुँचने से पहले या पहुँचते ही हो गई थी। युवक की मौत की खबर सुनते ही अस्पताल परिसर में कोहराम मच गया। पिता धनेश्वर दांगी और अन्य परिजनों की चीख-पुकार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। माँ और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जिन्हें संभालना मुश्किल हो रहा है। सदर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने युवाओं से अपील की है कि वे अनजाने जलाशयों और डैम के गहरे पानी में उतरने से बचें, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही जीवन भर का गम दे सकती है। चतरा जिले में आए दिन डैम और तालाबों में डूबने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

जदयू के पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रदेव ठाकुर का निधन, शोक

चतराः जनता दल यूनाइटेड जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष, नाई समाज के संरक्षक दीभा मोहल्ला निवासी चंद्रदेव प्रसाद ठाकुर का निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार को उन्होंने अंतिम सांस ली।उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वर्गीय ठाकुर अपने सरल स्वभाव, सामाजिक सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे। नाई समाज के उत्थान में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। हेरु नदी स्थित श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। जहां बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

राष्ट्रीय संत असंग देव जी पहुंचे सोनाहातू 20- 22 मार्च तक करेंगे प्रवचन की वर्षा

सोनाहातू : पांच परगना सुखद सत्संग समिति सोनाहातू द्वारा 20 से 22 मार्च तक तीन दिवसीय सुखद सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम को लेकर गुरुवार देर रात राष्ट्रीय संत असंग देव जी सोनाहातू पहुंच चुके है। आयोजन समिति के द्वारा राष्ट्रीय संत का भव्य स्वागत किया गया। 20 मार्च शुक्रवार दोपहर 2 बजे से राष्ट्रीय संत का प्रवचन प्रारंभ होगा। शुक्रवार सुबह संत ने सोनाहातू के सारेयाद मोड़ पहुंच कर झारखंड निमार्ता विनोद बिहारी महतो के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

भीम ऐप के ब्रांड एंबेसडर बने एमएस धोनी डिजिटल पेमेंट्स को मिलेगा बढ़ावा

धनबाद : एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को भीम पेमेंट्स ऐप का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। कंपनी के अनुसार यह कदम स्केल, समावेशन और यूजर भरोसे को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। एनबीएसएल की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललिता नटराज ने कहा कि डिजिटल पेमेंट्स के विस्तार के साथ अब फोकस यूजर भरोसे को बढ़ाने पर है, जबकि धोनी ने ऐप की सरलता और सुलभता को इसकी खासियत बताया। कंपनी के मुताबिक भारत का अपना पेमेंट्स ऐप के रूप में भीम ने देशभर में अपनी पहुंच बढ़ाई है और 15 से अधिक क्षेत्रीय भाषाओं व कम इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों के लिए भी अनुकूलित किया गया है।

त्योहारों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क शांति समिति की बैठक में अहम निर्देश जारी

संवाददाता

खूंटीः आगामी ईद, सरहुल एवं रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से खूंटी नगर भवन में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त आर. रोनीटा ने की। जिसमें पुलिस अधीक्षक मनीष तोपो, एसडीओ दीपेश कुमारी, एसडीपीओ वरुण रजक, थाना प्रभारी सहित जिले के कई प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सभी समुदायों से आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने, सोशल मीडिया पर भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करने और शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस अधीक्षक मनीष तोपो ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही, ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और गलियों में पुलिस की लगातार गश्त रहेगी। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) को सक्रिय कर दिया गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है, ताकि किसी भी दुर्घटना या आपात स्थिति में घायलों को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। प्रशासन ने पूर्व में चिन्हित उपद्रवियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें। प्रशासन की इन तैयारियों के बीच यह स्पष्ट है कि खूंटी में आने वाले सभी पर्वों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

ईद-उल-फितर, सरहुल व रामनवमी को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की अपील

चतराः समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री की अध्यक्षता में आगामी ईद-उल-फितर, सरहुल तथा 26 मार्च को आयोजित होने वाले रामनवमी पर्व के मद्देनजर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।उपायुक्त ने सभी उपस्थित सदस्यों से आपसी भाईचारा एवं सामाजिक समरसता बनाए रखते हुए पर्व-त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि चतरा जिला अपनी गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है और सभी समुदायों के सहयोग से ही यह परंपरा आगे भी कायम रहेगी।बैठक में विधि-व्यवस्था सुदृढ़ रखने, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी, जुलूस मार्गों का पूर्व सत्यापन, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक संदेशों के प्रसार पर कड़ी निगरानी रखने तथा अफवाहों से बचने की अपील की गई। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि अथवा कानून-व्यवस्था भंग करने की कोशिश पर प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजनों से भी अपील किया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। सिमरिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम खंडेलवाल ने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, ऐसे में किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की सतत निगरानी की जा रही है तथा संवेदनशील एवं भ्रामक पोस्टों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, आपसी वैमनस्य फैलाने या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले किसी भी पोस्ट, वीडियो अथवा संदेश के प्रसारण पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। आम नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी अपुष्ट अथवा भ्रामक सूचना को साझा न करें तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में सोशल मीडिया का उपयोग करें।बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, सिविल सर्जन चतरा जगदीश प्रसाद, चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, सिमरिया के अनुमंडल पदाधिकारी सह जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद, डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी वैभव सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चतरा, सिमरिया टंडवा समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी,शांति समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ईद व सरहुल कल, ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

कल सुबह 6 से रात 12:30 बजे तक बड़े वाहनों की नो इंट्री

मेन रोड पर नहीं चलेंगी गाड़ियां

संवाददाता

रांची: ईद और सरहुल को लेकर शनिवार को सुबह 6 बजे से रात 12.30 बजे तक शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। निजी और यात्री वाहनों के परिचालन पर भी कई मार्गों पर दोपहर 12 बजे से जुलूस की समाप्ति तक रोक है।

इसका कारण यह है कि इस साल मुस्लिम धर्मावलंबियों की ईद-उल-फितर और आदिवासी समुदाय का प्रकृति पर्व सरहुल 21 मार्च को एक साथ मनाए जाएंगे। ईद के मौके पर शहर के विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है। वहीं, सरहुल पर्व पर सरना स्थलों में पूजा के बाद शोभायात्रा निकाली जाएगी। सुबह से शाम तक शहर की सड़कों पर उमड़नेवाली भीड़ के मद्देनजर यातायात पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। ट्रैफिक एसपी ने शहर के कई प्रमुख मार्गों पर आवागमन बंद रखने और डायवर्जन लागू करने का निर्णय लिया है।

रिंग रोड की ओर डायवर्ट होंगे भारी वाहन: ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, ईद की नमाज और सरहुल शोभायात्रा को देखते हुए शनिवार सुबह 6:00 बजे से शहर में भारी वाहनों की नो इंट्री लागू कर दी जाएगी। वहीं, दोपहर से शहर की प्रमुख सड़कों पर सामान्य वाहनों का परिचालन भी रोक दिया जाएगा। भारी वाहनों को रिंग रोड की ओर डायवर्ट कर दिया जाएगा। इसके अलावा मालवाहक छोटे व्यवसायिक वाहनों का शहर में प्रवेश भी पूरी तरह बंद रहेगा। हालांकि, छोटे वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा।

हरमू बाइपास पूरी तरह रहेगा बंद: बताया गया है कि ईद को लेकर सुबह 6:00 बजे से नमाज की समाप्ति तक हरमू बाइपास रोड (किशोरगंज चौक से रातू रोड) पूरी तरह बंद रहेगा। वहीं, महात्मा गांधी मार्ग (मेन रोड), अंबेडकर चौक से राजेंद्र चौक, प्लाजा चौक से लालपुर चौक सहित कई हिस्सों में यातायात पर रोक रहेगी। डोरंडा, सुजाता चौक, कडरू पुल आदि मार्गों से वाहनों को डायवर्ट किया जायेगा। इधर, दोपहर बाद शहर के विभिन्न इलाकों से निकलनेवाली सरहुल शोभायात्राएं रेडियम चौक, शहीद चौक, अलबर्ट एक्का चौक, सुजाता चौक होते हुए सिरमटोली सरना स्थल तक पहुंचेंगी।

कहां-कहां होगी पार्किंग व्यवस्था: मेन रोड पर सैनिक मार्केट, काली मंदिर चौक टैक्सी स्टैंड और अलबर्ट एक्का चौक के पास पार्किंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी। हरमू ईदगाह के लिए गोशाला के समीप पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है। दूसरे स्थानों पर तैनात पदाधिकारी उपलब्ध खाली जगह के अनुसार पार्किंग सुनिश्चित कराएंगे।

डोरंडा और आसपास के लिए वैकल्पिक रूट: डोरंडा की ओर से आनेवाले वाहन सुजाता चौक से क्लब रोड होते हुए मुंडा चौक पहुंचेंगे। सुजाता चौक से डोरंडा जानेवाले वाहन कडरू पुल (बिग बाजार के पास) से होकर गुजरेंगे। प्लाजा चौक से लालपुर चौक तक पूरी तरह बंद रहेगा। अपर बाजार के पुस्तक पथ में शहीद चौक से गांधी चौक तक आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। हिल व्यू से बरियातू मस्जिद तक बायें मार्ग पर भी यातायात बंद रहेगा।

सरहुल शोभायात्रा के दौरान बड़ा डायवर्जन

दोपहर में निकलनेवाली सरहुल शोभायात्रा काके रोड, रातू रोड, बोड़ेया रोड, रेडियम चौक, शहीद चौक, अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड, सुजाता चौक होते हुए मुंडा चौक से सिरमटोली सरना स्थल तक जायेगी। नामकुम, खूंटी रोड, बिरसा चौक और डोरंडा की ओर से आनेवाली शोभायात्रा भी ओवरब्रिज, सुजाता चौक, मुंडा चौक होकर सिरमटोली पहुंचेगी। अरगोड़ा और हरमू की ओर से आने वाली यात्रा कडरू, बिग बाजार, सुजाता चौक होते हुए आगे बढ़ेगी।

दोपहर 12 बजे से वाहनों का परिचालन बंद: एसएसपी आवास चौक से कचहरी चौक, शहीद चौक, सर्कुलर रोड से जेल चौक के आगे, जाकिर हुसैन पार्क से कमिश्नर चौक, रेडियम चौक, पुराना नगर निगम मार्ग से कमिश्नर चौक, अपर बाजार से शहीद चौक, चडरी तालाब से अलबर्ट एक्का चौक, थड़पखना मार्ग, पुरुलिया रोड से सर्जना चौक, विष्णु सिनेमा से मेन रोड, टैक्सी स्टैंड, चर्च रोड, उल हाउस से मेन रोड, कर्बला से एकरा मसजिद चौक, पीपी कंपाउंड से सुजाता चौक, राजेंद्र चौक से ओवरब्रिज, सुजाता चौक, पटेल चौक से मुंडा चौक, मेकॉन चौक से फ्लाइओवर, बहुबाजार से सिरमटोली सरना स्थल की ओर।

चांद रात आज, ईद कल, सभी तैयारियां पूरी, सुबह 9.15 पढ़ी जायेगी नमाज

गुलाम शाहिद

रांची : झारखंड समेत रांची में आज चांद रात है। कल 21 मार्च को ईद-उल-फितर का त्योहार जिलेभर में हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाएगा। एक महीने के रोजे के बाद मुस्लिम समुदाय ईद की नमाज अदा कर अल्लाह का शुक्रिया अदा करेगा। ईद को लेकर शहर और कस्बों के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। दुकानदारों ने अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया है। कपड़े, जूते, सेवइयां और अन्य आवश्यक सामान खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग बाजारों में उमड़ रहे हैं। देर शाम तक बाजार

गुलजार दिख रहे हैं, जिससे व्यापारियों में भी उत्साह है। मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं ताकि नमाजियों को कोई असुविधा न हो। प्रशासन भी त्योहार को लेकर पूरी तरह सतर्क है।सुरक्षा, यातायात और साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि ईद शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

शहर की ईदगाह(सुखदेव नगर) में मुख्य नमाज सुबह 10 :00 बजे शहर के मौलाना असगर मिस्बाही की इमामत में अदा की जाएगी। अन्य प्रमुख मस्जिदों में भी नमाज के समय निर्धारित किए गए हैं। डोरंडा ईदगाह में सुबह 9:15 बजे, डॉ फताउला मस्जिद में सुबह 8:00 बजे,रंग साज मस्जिद में सुबह 9:00 बजे और हवबारी मस्जिद में सुबह 8:00 बजे नमाज अदा की जाएगी। प्रशासन और मस्जिद कमेटियों ने नमाज के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। उलेमा ने लोगों से अपील की है कि वे नमाज के दौरान अनुशासन बनाए रखें और आपसी भाईचारे के साथ यह त्योहार मनाएं।

अलविदा जुमा पर नम आंखों से रुख़्सत हुआ रमजान, ईद की आमद से मस्जिदों में बढ़ी रौनक

रांची: पवित्र रमजान के 30 रोजे मुकम्मल होने के साथ ही आखिरी जुमा (जुमातुल विदा) के अवसर पर शहर के मस्जिदों में अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही नमाजियों का तांता लगा रहा और हर ओर इबादत का माहौल दिखाई दिया।

जुमातुल विदा के मौके पर लोगों ने अल्लाह की बारगाह में सजदा कर पूरे रमजान की इबादतों की कबूलियत की दुआ मांगी। इस दौरान कई नमाजी भावुक नजर आए और आंखों में आंसू लिए इस मुबारक महीने को अलविदा कहा।

मस्जिदों में कुरआन की तिलावत, दुआओं और इबादतों की गूंज से माहौल पूरी तरह रूहानी हो गया।

रमजान की रुख़्सती के साथ ही ईद-उल-फितर की आमद की खुशियां भी लोगों के चेहरों पर साफ झलकने लगी हैं। बाजारों में रौनक बढ़ गई है और घरों में ईद की तैयारियां जोरों पर हैं।इस खास मौके पर हर जुबां से बस एक ही आवाज सुनाई दी – ईद मुबारक । शहर में आपसी भाईचारे, मोहब्बत और सौहार्द का संदेश देते हुए लोग एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दे रहे हैं।

होटल रेडिशन ब्लू में नौ दिवसीय साउथ इंडियन फूड फेस्टिवल कल से

विभिन्न प्रांतों के लजीज व्यंजन का लुत्फ उठा सकेंगे झारखंडवासी

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: राजधानी रांची स्थित होटल रेडिशन ब्लू में फूड लवर्स के लिए खास साउथ इंडियन फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में आशुतोष शुक्ला, एसोसिएट डायरेक्टर (सेल्स) शेफ जय व फूड एंड बेवरेज मैनेजर विनीत रंजन ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने कहा कि यह फेस्टिवल 21 से 29 मार्च तक होटल के वॉटरफ्रंट रेस्टोरेंट में आयोजित होगा, जहां हर दिन शाम सात बजे से मेहमानों के लिए विशेष व्यंजन परोसे जाएंगे। इस फूड फेस्टिवल में दक्षिण भारत के पारंपरिक और लोकप्रिय व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की जाएगी। मेहमानों को डोसा, इडली, वड़ा, उत्तपम, सांभर, नारियल चटनी सहित कई प्रामाणिक साउथ इंडियन डिशेज का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। होटल प्रबंधन के अनुसार इस आयोजन का उद्देश्य रांची के लोगों को दक्षिण भारतीय खान-पान की समृद्ध संस्कृति और असली स्वाद से रूबरू कराना है। खास शेफ द्वारा तैयार किए गए व्यंजन पारंपरिक मसालों और असली रेसिपी के साथ परोसे जाएंगे, जिससे लोगों को ऑथेंटिक टेस्ट का अनुभव मिल सके। फेस्टिवल के दौरान परिवार और दोस्तों के साथ आने वाले मेहमानों के लिए विशेष डिनर अनुभव तैयार किया गया है। होटल प्रशासन ने लोगों से अधिक संख्या में पहुंचकर इस फेस्टिवल का आनंद लेने की अपील की है। होटल प्रबंधन के अनुसार यह फूड फेस्टिवल रांची के फूड लवर्स के लिए दक्षिण भारत के जायकों का अनूठा और यादगार अनुभव साबित होगा।

लापता युवती केस: हाईकोर्ट ने बोकारो एसपी से पूछा

सनहा के बाद एफआईआर दर्ज करने में 10 दिन का समय क्यों लगा

मेट्रो रेज

रांची: 18 वर्षीय युवती की गुमशुदगी के मामले में मां रेखा देवी द्वारा दायर हैबियस कॉर्पस याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायाधीश अरुण राय की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की।

सुनवाई के दौरान वर्चुअल माध्यम से जुड़े बोकारो एसपी से खंडपीठ ने कई सवाल किए। अदालत ने पूछा कि जब सनहा 24 जुलाई 2025 को दर्ज किया गया था, तो प्राथमिकी दर्ज करने में देरी क्यों हुई।अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि 4 अगस्त 2025 को प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद संबंधित थाना प्रभारी द्वारा समय पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

कोर्ट में पेश होने का आदेश : सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो मामले को सीबीआई को सौंपा जा सकता है।खंडपीठ ने बोकारो एसपी को निर्देश दिया है कि वे अगली सुनवाई में सशरीर उपस्थित हों। साथ ही अदालत ने केस डायरी और लोअर कोर्ट के रिकॉर्ड भी पेश करने को कहा है।

होर्मुज में फंसे शिप अवाना के कैप्टन राकेश रंजन की मौत, रांची के अरगोड़ा में रहता पूरा परिवार

मेट्रो रेज

- ईद के कारण दुबई में फंसा शव
- परिजनों ने सरकार से शव लाने की लगाई गुहार

रांची : पश्चिम एशिया में ईरान के साथ 28 फरवरी से जारी युद्ध की परिस्थितियों के बीच स्टेट ऑफ होर्मुज के समुद्र में फंसी शिप अवाना के 47 वर्षीय कैप्टन राकेश रंजन सिंह का निधन हो गया। उनका परिवार रांची के अरगोड़ा स्थित वसुंधरा अपार्टमेंट में रहता है। मूल रूप से कैप्टन सिंह बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ के रहने वाले थे।

जानकारी के अनुसार, कैप्टन राकेश रंजन सिंह ने 2 फरवरी को छुट्टी के बाद शिप अवाना ज्वाइन की थी। यह शिप तेल लोड करने के लिए स्टेट ऑफ होर्मुज गई थी। तेल लोड करने के बाद 1 मार्च को शिप भारत की ओर रवाना हुई, लेकिन दुबई से लगभग 60 किमी दूर समुद्र में युद्ध की परिस्थितियों के कारण शिप को लंगर डालकर रुकना पड़ा। शिप पर कैप्टन सिंह समेत लगभग 35 स्टाफ सदस्य मौजूद थे, जो लगातार 18 दिनों तक समुद्र में फंसे रहे। इस दौरान उन्हें किसी भी तरह की नियमित मेडिकल सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी।

तबीयत बिगड़ने पर भी नहीं मिली एयर एंबुलेंस: 18 मार्च को कैप्टन सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ गई। शिप के अधिकारियों ने तुरंत दुबई एटीसी से संपर्क कर एयर एंबुलेंस की मांग की, लेकिन युद्ध की स्थिति के कारण अनुमति नहीं मिली। इसके बाद उन्हें बोट के जरिए दुबई तट तक लाया गया, जिसमें काफी समय लगा। समय पर चिकित्सा सुविधा न मिलने के कारण उनकी हालत बिगड़ती गई और अंततः हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया।

कैप्टन राकेश रंजन सिंह का शव फिलहाल दुबई के शेख राशिद अस्पताल की मॉर्चरी में रखा गया हैं। परिजनों के अनुसार, शव को भारत लाने की प्रक्रिया चल रही हैं। पटना एयरपोर्ट पर शव पहुंचने के बाद इसे अंतिम संस्कार के लिए बिहारशरीफ, नालंदा ले जाया जाएगा।

रांची नगर निगम में अनोखा संयोग

वार्ड 16 और 17 से पार्षद पति-पत्नी ने एक साथ ली शपथ

मेट्रो रेज

रांची: रांची नगर निगम के शपथ ग्रहण समारोह में एक अनोखा और खास दृश्य देखने को मिला, जब वार्ड संख्या 16 के नवनिर्वाचित पार्षद सालाहउद्दीन संज्जू और वार्ड संख्या 17 की नवनिर्वाचित पार्षद फातिमा शमीम ने समाहरणालय में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। खास बात यह रही कि दोनों पार्षद आपस में पति-पत्नी हैं।

समाहरणालय परिसर में आयोजित इस समारोह में अन्य नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ दोनों ने भी नगर विकास और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। शपथ ग्रहण के दौरान उपस्थित अधिकारियों और समर्थकों ने इस खास मौके का स्वागत किया। सालाहउद्दीन संज्जू और फातिमा शमीम की जीत को क्षेत्र की जनता ने विकास और भरोसे की जीत बताया। दोनों ने कहा कि वे अपने-अपने वार्डों के समग्र विकास, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करेंगे। स्थानीय लोगों का मानना है कि पति-पत्नी के रूप में दोनों पार्षदों की यह जोड़ी वार्ड 16 और 17 के विकास में नई मिसाल कायम कर सकती है।

सवर्ण समाज को भी मिले कानून और योजनाओं में बराबरी का हक- अधिकार: सुनील सिंह

मेट्रो रेज

रांची: अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव सुनील कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आज सवर्ण समाज अपने हीं देश में दोयम दर्जे का नागरिक बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम किसी वर्ग या समाज का विरोध नहीं करते, बल्कि हम भी एसटी,एससी, ओबीसी जैसे अन्य वर्गों के लिए बने कानून और विकास के लिए लागू बजट की तरह सवर्ण के लिए भी कानून बने, तथा केंद्र व राज्य सरकारें द्वारा लागू योजनाओं में, हमें भी बराबरी का हक और अधिकार मिले। कहा कि अब सवर्णों को 10% के झांसे में नहीं रखा जा सकता।अब सवर्ण समाज 40% हैं। जिसे कानून और योजनाओं में बराबरी का हक मिलना चाहिए। सुनील कुमार सिंह ने कहा कि अपने देश के परम राष्ट्रभक्त सवर्ण को ओबीसी, दलित, आदिवासी के मुकाबले दोयम दर्जे का समाज साबित करने का यह गंदा प्रयास किया जा रहा है। कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में 19 मार्च तक यूजीसी के मामले में स्टे लगाया गया था, जिसे लगता है कोर्ट के द्वारा किसी दबाव में आकर इस मामले को ठंडे बस्ते में डालने का रास्ता ढूंढा जा रहा है। कहा कि आज देश का सवर्ण सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा 19 मार्च को यूजीसी मामले में सवर्ण हित में फैसला आएगा,जिसका बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। परंतु न्यायालय द्वारा उक्त मामले में किसी तरह का फैसला नहीं आने से सवर्ण समाज काफी हतोत्साहित हुआ है। ऐसे में देश का सवर्ण अब चुप बैठने वाला नहीं है। यदि यूजीसी रोल बैक नहीं होता है, और उन्हें कानून और योजनाओं में बराबरी का हक नहीं दिया जाता है, तो सवर्ण समाज विवश होकर अपने हकझ अधिकार और सुरक्षा की खातिर आर पार की लड़ाई लड़ने से भी पीछे नहीं हटेगा।

कहा कि एक ओर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देश हित मे हिंदुओं को एकजुटता की खातिर तथा मजबूती प्रदान करने के लिए मंत्र देते हैं किझ रबटेंगे तो कटेंगे, और एक रहेंगे, तो शेफ रहेंगेर और दूसरी ओर परम राष्ट्रभक्त सवर्ण समाज के लिए यूजीसी जैसे नियमावली लागू कर हिंदु समाज से सवर्णों को अलगकर बांटने का फरमान जारी कर रहे हैं, ये समझ से परे है।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग)
जिला पशुपालन कार्यालय, लोहरदगा
Email - lohardagadaho@gmail.com

—: आम सूचना :—

लोहरदगा के सभी पशुपालकों को सूचित किया जाता है कि सरकार के सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड, रांची के राज्य देश सं0–54 रा0 (वि0) दिनांक–11.03.2026 के आलोकमें वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु लाभुकों का चयन ग्रामस्तर पर ग्रामसभा द्वारा किया जाएगा। जिसका अनुमोदन पूर्वसे "मुख्यमंत्री पशुधनविकास योजना"अन्तर्गत भेड़ पालन की योजन का भी संचालन निर्गत विभागीय संकल्प सं0 452 दिनांक–18.06.2021 द्वारा निर्धारित प्रावधान एवं संकल्प सं0 1158 दिनांक–23.09.2022 द्वारा गठित प्रखण्ड स्तरीय समिति तथा जिलास्तरीय समिति से प्राप्त की जाएगी। राज्यादेश सं0 19 रा0 दिनांक–10.09.2025 के द्वारा जिला पशुपालन कार्यालय लोहरदगा से संचालित होने वाली योजनाओं के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है।उक्त योजना से संबंधित योग्य एवं इच्छुक पशुपालकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है।योजना का विवरण निम्नवत् है–

क्र. सं0	योजना का नाम	परियोजनाला गत	अनुदान%	जिलाका लक्ष्य	अनुदान की राशि	लाभुक अंशदान की राशि	लाभुक चयन हेतु योग्यता/शर्तें
1	भेड़ पालन की योजना (अमादा+2 नर)	49,600/-	90%	09	44640	4960	अनुसूचितजाति/जनजाति/असहाय विधवा औरतों/दिव्यांग/निःसंतानदम्पति जिनकी उम्र कम से कम 50 वर्ष हो
			75%	07	37200	12400	अन्य सभीवर्ग के लाभुकों को
कुल				16			

नोट:–
- विभागीय संकल्प ज्ञापांक–452 दिनांक–18.06.2021 द्वारा निर्धारित प्रावधान एवं संकल्प ज्ञापांक 1158 दिनांक–23.09.2022 द्वारा संशोधित प्रावधानों के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत भेड़ पालन की योजना का क्रियान्वयन किया जायेगा।
- मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत भेड़ पालन की योजना का लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में प्रतीक्षा सूची संबंधित कार्यालय द्वारा तैयार किया जायेगा। प्रतिक्षा सूची के आधार पर चालू वित्तीय वर्ष अथवा आगामी वित्तीय वर्ष में भी लाभुकों को लाभान्वित कराया जा सकेगा।
- विगत पाँच वर्षों में जिन परिवारों (JSFSS/NFHS अन्तर्गत परिभाषित) द्वारा अनुदान का लाभ लिया गया है उन्हेंपुनः अनुदान अनुमान्य नहीं होगा।
- मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत भेड़ पालन की योजना के तहतचयनित प्रत्येक लाभुकों का Escrow Account संबंधित DAHO/DDO इत्यादि के द्वारा अनिवार्य रूप से खोला जाएगा एवं अनुदान की राशि Escrow Account में ही हस्तांतरित की जायेगी। अंतिम रूप से (जिला स्तरीय चयन समिति) से चयनित होने के उपरान्तलाभुकों को भी अपना अंशदान Escrow Account में जमा करना अनिवार्य होगा।लाभुक अंशदान जमा करने के उपरान्त ही अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाता में हस्तान्तरित करेंगे।तत्पश्चात् लाभुकों को भेड़ क्रय प्राप्त करने की आहर्ता होगी। पंचायतस्तरीय समिति /ग्रामसभा के द्वारा लाभुक अंशदान संबंधित Escrow Account में जमा करना सुनिश्चित किया जाएगा।
- सभी आवेदक सूचना प्रकाशन के दो दिन के अन्दर संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी कार्यालय को आवेदन जमाकरना सुनिश्चित करेंगे।

अधिक जानकारी के लिए जिला पशुपालन कार्यालय/प्रखंड पशुपालन कार्यालय/प्रथम वर्गीय पशुचिकित्सालय से सम्पर्क किया जा सकता है

निवेदक :–
जिला पशुपालन पदाधिकारी,लोहरदगा

PR 375586 Lohardaga(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

ईरान युद्ध और ऊंची तेल कीमतों के बीच स्थिरता जरूरी

अब भी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान युद्ध कब समाप्त होगा। अनिश्चितता की सबसे बड़ी वजह है युद्ध के लक्ष्यों को लेकर अस्पष्टता। ईरान इस युद्ध की लागत बढ़ा रहा है। न केवल अमेरिका बल्कि इस क्षेत्र में अमेरिका के साझेदारों सहित पूरे विश्व को यह युद्ध भारी पड़ रहा है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से तेल एवं गैस की कमी हो गई है और कीमतों में इजाफा हो रहा है। ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतें गत सप्ताह 120 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचने के बाद अब 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हैं। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी से अधिक कच्चा तेल आयात करता है और इसका बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है इसलिए भारत के लिए हालात विकट हैं। निरंतर ऊंची तेल कीमतें वैश्विक वित्तीय तंत्र में जोखिम से परहेज को जन्म देती हैं और वे अन्य कमजोरियों को भी सामने ला सकती हैं। गत सप्ताह केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत को पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष बनाने की घोषणा की थी। इसके लिए आवश्यक धन मौजूदा विनियोग और अतिरिक्त आवंटन से आएगा। हालांकि सरकार से उम्मीद है कि वह चालू वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 फीसदी के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य पूरा करेगी, किंतु संकट में संसाधनों का नए सिरे से नियोजन एक समझदारी भरा नीतिगत विकल्प है। हालांकि इस संदर्भ में कुछ बिंदु उल्लेखनीय हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि के बावजूद, सरकार पंप कीमतों को समायोजित करने में अनिच्छुक हो सकती है, जिससे राजकोषीय दबाव उत्पन्न होगा। इसका कारण यह है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें भले ही विनियमित न हों, लेकिन उन्हें नियमित रूप से बाजार की वास्तविकताओं के अनुरूप समायोजित नहीं किया जाता। अधिक उर्वरक सब्सिडी व्यय भी अतिरिक्त खर्च का कारण बनेगा। सरकार उन निर्यातकों का भी सहयोग करना चाह सकती है जो चल रहे युद्ध से प्रभावित हुए हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि स्थिरीकरण कोष कैसे काम करेगा। यह भी अस्पष्ट है कि क्या यह एक स्थायी तंत्र होगा जिसमें हर वर्ष धन आवंटित किया जाएगा। यदि हां, तो सामान्य वर्ष में इस कोष का क्या होगा? इसलिए, अधिक परिचालन स्पष्टता की आवश्यकता है।

भारत के नीति प्रबंधन की एक बुनियादी समस्या यह है कि उच्च राजकोषीय घाटे के कारण अनिश्चितता से निपटने के लिए नीतिगत गुंजाइश का अभाव रहता है। सरकार ने कोविड महामारी वर्ष में तेज वृद्धि के बाद राजकोषीय घाटे को काफी कम किया है, लेकिन यह अभी भी ऊंचा है। खासतौर पर तब जब इसे अर्थव्यवस्था की वित्तीय क्षमता के संदर्भ में देखा जाए। राजकोषीय प्रबंधन में कठिनाई के अलावा युद्ध बाहरी खाते पर भी असर डालेगा। रुपया दबाव में है। तेल और गैस की ऊंची कीमतें आयात बिल बढ़ाएंगी और चालू खाते का घाटा यानी सीएडी बढ़ेगा।

अर्थशास्त्री अनुमान लगा रहे हैं कि चालू खाता घाटा जीडीपी का करीब 1.5 फीसदी होगा, जबकि वर्तमान वर्ष में यह लगभग 1 फीसदी है। यद्यपि यह काफी हद तक इस पर निर्भर करेगा कि युद्ध कब समाप्त होता है और आने वाले महीनों में तेल की कीमतें किस दिशा में जाती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता इस घाटे की भरपाई को कठिन बना सकती है। भारत पूंजी बहिर्गमन का सामना कर रहा है। संकट लंबा खिंचने पर ये हालात जल्दी उलट नहीं सकते।

उदाहरण के लिए, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जनवरी 2025 से अब तक भारत के शेयरों में 25 अरब डॉलर से अधिक की बिक्री की है। अनिवासी भारतीयों से जमा राशि को प्रोत्साहित करने के सुझाव भी दिए जा रहे हैं। बाहरी मोर्चे पर दबाव होने के बावजूद, भारत के पास विदेशी मुद्रा भंडार का स्वस्थ स्तर है, जिसका उपयोग विदेशी मुद्रा बाजार में अस्थिरता को कुछ हद तक कम करने के लिए किया जा सकता है।

हालांकि इसका उपयोग मुद्रा की रक्षा करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। वर्तमान परिस्थितियों में, रुपये के अवमूल्यन की उम्मीद की जाएगी और इसे व्यवस्थित तरीके से अवमूल्यित होने दिया जाना चाहिए।

असली प्रदूषण और नकली बुद्धि

असली चीजों और भावनाओं के आराम के दिन आ गए हैं। ऐसे अच्छे दिन पहले आ गए होते तो कई तरह की बचत हो जाती। चलो कोई बात नहीं, देर आए दरुस्त आए। यह तो दिल और दिमाग से महसूस किए जाने वाले सम्मान की बात है कि पुराना जिद्दी प्रदूषण कम करने के लिए नई बुद्धि, नए रास्ते खोज रही है। कृत्रिम बुद्धि का भावार्थ ही नई बुद्धि लिया जा रहा है। अब यह सवाल खिल उठा है कि जब प्राचीन बुद्धि, प्रदूषण को उचित तरीके से निबटाने में फेल हो गई तो नकली क्या करेगी। हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंट आर्टिस्ट की तरह महसूस करवाए और एयर क्वालिटी इंटेलिजेंस और प्रदूषण नियंत्रण के समाधानों को लागू करवा दे। बेचारी असली नैसर्गिक इंसानी बुद्धि को, अपने ही फैलाए प्रदूषण से परेशान होते जमाना हो गया । दूसरा कोई स्वादिष्ट सामाजिक चारा नहीं बचा जिसे खाकर नया ज्ञान प्राप्त किया जाए और प्रदूषण को थाम लिया जाए। इसलिए इस संभावना को स्वीकार करना होगा कि कृत्रिम बुद्धि, असली प्रदूषण को अवश्य काबू में कर कर छोड़ेगी।

अधिकांश बुद्धिजीवियों, अबुद्धिजीवियों, समाज सेवियों, असमाज सेवियों, राजनीतिक नेताओं, राजनीतिक अभिनेताओं, पर्यावरण विद्वानों और पर्यावरण चर्चा और खर्चा से सामाजिक महत्त्व प्राप्त करने वाले महानुभावों को स्पष्ट रूप से पता है कि इंसानी दिमाग में पकाए तौर तरीके, सरकारी उपाय, सख्त अनुशासन, ईमानदार और पारदर्शी प्रयास वगैरा सब बुरी तरह थककर, आराम घर में घुस गए हैं। असली बुद्धि असफल हो जाए तो जाहिर है नकली बुद्धि का ही सहारा लेना पड़ेगा। अब उसके परिणामों और फायदों का मजा लेने का मौसम आया है। असली बुद्धि की नदी से निकले जानदार, ताकतवर, शानदार और समझदार उपायों के चमकीले पत्थर तो कब से प्रयोग हो रहे हैं। जिंदगी में तो कब से दर्जनों नकली चीजों की बहार है। इसलिए भी मान सकते हैं कि नकली बुद्धि, असली से बेहतर काम करेगी। प्रदूषण का रियल टाइम डाटा उपलब्ध कराएगी। स्रोतों की सटीक पहचान करेगी जिससे उन जगहों की सूक्ष्म स्तर पर पहचान हो पाए। फिर उसके प्रभाव का वैज्ञानिक आकलन आसान हो सकेगा और लक्ष्य आधारित और समयबद्ध कार्रवाई सुझाई जा सकेगी। वास्तविक और व्यावहारिक कार्रवाई तो इंसानजी ही करेंगे या करवाएंगे जिसमें वह पूरी तरह माहिर हैं। इतिहास झूठ बोलता है कि सरकारी एजेंसियां कभी समन्वय आधारित कार्रवाई नहीं कर पाती। यह तो हमारी स्थापित लोकतान्त्रिक, चारित्रिक और सांस्कृतिक परम्परा है कि नए प्रयोगों को आत्मसात किया जाए। अब उसी योजना के तहत नकली बुद्धि आधारित मॉडल से पूछेंगे कि नगर निगम, जिला प्रशासन, प्रवर्तन एजेंसियां, तकनीकी संस्थान और इंसान ने नैसर्गिक बुद्धि का प्रयोग कर, उचित प्लेटफार्म पर काम का अभिनय और वास्तविक अमल कितना किया। दिलचस्प है कृत्रिम बुद्धि सभी संस्थाओं की जिम्मेदारी तय करेगी और सदियों से इंसानी दिमाग में रह रही अक्ल उसे आदेश मानकर संभवत कार्रवाई भी करेगी।

संघ और रॉ पर प्रतिबंध की मांग: भारत विरोधी डीप स्टेट की नई साजिश

अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने अपनी रिपोर्ट में संघ और रॉ के कामकाज पर सवाल खड़े करते हुए ट्रम्प प्रशासन से इन दोनों पर प्रतिबंध लगाने को कहा है। आयोग का कहना है कि संघ लोगों की धार्मिक आजादी के लिए खतरनाक है।

मृत्युंजय दीक्षित

युद्ध के वैश्विक वातावरण के बीच अमेरिका में भारत विरोधी डीप स्टेट गतिविधियां भी चल रही हैं। विभिन्न अवरोधों व वैश्विक उथल-पुथल के बाद भी भारत तीव्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। विश्व भर के निवेशकों की दृष्टि भारत पर है और यह बात भारत विरोधी शक्तियों को पसंद नहीं आ रही है। अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी प्रशासन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारत की खुफिया एजेंसी रॉ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। अमेरिकी आयोग की यह रिपोर्ट भारत के खिलाफ गहरी सुनियोजित साजिश के अंतर्गत तैयार की गई रिपोर्ट है जो भारत की सम्प्रुभता पर तीखा परोक्ष हमला है। भारत के मुख्य विरोधी दल कांग्रेस ने अपनी परंपरा के अनुरूप विदेशी आयोग की इस भारत विरोधी मांग का समर्थन किया है।

अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने अपनी रिपोर्ट में संघ और रॉ के कामकाज पर सवाल खड़े करते हुए ट्रम्प प्रशासन से इन दोनों पर प्रतिबंध लगाने को कहा है। आयोग का कहना है कि संघ लोगों की धार्मिक आजादी के लिए खतरनाक है। ये धर्म के आधर पर भेदभाव बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि आयोग की रिपोर्ट में संघ पर तुरंत प्रतिबंध लगाने, संपत्ति को जब्त करने और संघ के लोगों के अमेरिका में प्रवेश को प्रतिबंधित करने की मांग की गई है। कांग्रेस ने अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट से आगे जाकर कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद सरदार पटेल ने संघ को भारत में प्रतिबंधित किया। संघ मनुस्मृति से देश को चलाने की वकालत करता है, संघ संविधान विरोधी है, देश की एकता और भाईचारे के लिए जहर है। अमेरिका का धार्मिक स्वतंत्रता आयोग वर्ष 1998 में अमेरिकी कांग्रेस द्वारा बनाया गया एक स्वतंत्र आयोग है। यह विश्व भर में धार्मिक स्वतंत्रता की निगरानी करता है और अमेरिकी सरकार को केवल सुझाव देता है। अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट और कांग्रेस द्वारा उनका समर्थन करने पर किसी भी राष्ट्रभक्त नागरिक को हैरानी नहीं हुई है क्योंकि कांग्रेस पार्टी लम्बे समय से भारत विरोधी टूल किट क्रियान्वित कर रही है। कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व गुलामी की मानसिकता से ग्रस्त है। कांग्रेस का दिल पाकिस्तान के लिए ही धड़कता है। कांग्रेस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे कुख्यात आतंकी संगठन से कर चुकी है। कांग्रेस को पता होना चाहिए कि जैसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हर विपरीत परिस्थिति में राष्ट्र व समाज की सेवा करता रहा है वैसे ही भारत की खुफिया एजेंसी रॉ भारत की सेवा करते हुए भारत को अनेकानेक आंतरिक और वाह्य खतरों से बचाती है। आश्चर्य की बात है कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं का निर्मम नरसंहार हो रहा था, हिंदू महिलाओं पर बर्बर अत्याचार, बलात्कार व हत्याएं हो रही थीं, 700 से अधिक मंदिरों का विध्वंस कर दिया गया तब इस तथाकथित धार्मिक आयोग की घिग्घी बंध गई थी। तब भारत व संपूर्ण विश्व में हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए किसी ने आवाज उठाई थी तो वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या उससे जुड़े समवैचारिक संगठन ही थे। आज पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान के हिंदू ह्लगायबह्ल हो चुके हैं अर्थात अल्पसंख्यक से भी बहुत कम हो गए हैं, यह आयोग इन देशों में हिन्दुओं के धार्मिक अधिकारों के लिए क्यों नहीं बोलता? भारत ने अमेरिकी धार्मिक अयोग की रिपोर्ट सिरे से खारिज करते हुए कहा कि, अमेरिकी आयोग के लिए यह बेहतर होगा कि वह अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर तोड़फोड़ और हमलों की परेशान करने वाली घटनाओं, भारत को निशाना बनाने, वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के प्रति बढ़ती असिहष्णुता और उन्हें डराने-धमकाने के मामलों पर विचार करे। अमेरिकी आयोग पूर्वाग्रह से ग्रसित है और यह उसका एक सुनियोजित एजेंडा है। अमेरिका तथा वहां के तथाकथित आयोग को यह बात अच्छी तरह से पता होनी चाहिए कि भारत की 140 करोड़ से अधिक की आबादी में हर धर्म के अनुयायी रहते हैं। भारत सह अस्तित्व मे भरोसा करता है। भारत में कांग्रेस व वामपंथी दलों की राजनीतिक दुकान विदेशी आयोगों की झूठ पर आधारित रिपोर्टों के सहारे ही चलती है। राहुल गांधी ऐसे नेता प्रतिपक्ष हैं जो विदेशों में जाकर भारत के संविधान, संसद व न्यायपालिका तक की आलोचना करते हैं। भारत जब पाकिस्तान पर स्ट्राइक करता है तो वे सेना व सरकार से सबूत मांगने निकल पड़ते हैं। आज वो एक विदेशी आयोग की झूठी रिपोर्ट के समर्थन में खड़े हैं। ऑपरेशन सिंदूर के समय भी कांग्रेस ने संसद में सरकार का साथ नहीं दिया। कांग्रेस पार्टी ने अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट का समर्थन कर अपनी मंशा को स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत को कमजोर करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एकमात्र संगठन है जो विश्व भर में हिन्दुओं के साथ होने वाली अप्रिय घटनाओं पर आवाज उठाता है। संघ ही है जो हिंदू समाज की सेवा कर रहा है। आज मजहबी ताकतें धन-बल और पशु-बल द्वारा भारी संख्या में हिन्दुओं का मतांतरण करा रही हैं अगर उसकी कोई रोकथाम कर रहा है तो वह संघ ही है। यही कारण है कि संघ पर प्रतिबंध की मांग फिर से उठाई गई है। संघ शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ ने करोड़ों घरों में संपर्क किया और एक नई हिन्दू चेतना का संचार हुआ। भारी संख्या में जेन-जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व समवैचारिक संगठनों के साथ जुड़ रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस के साथ लोग जुड़ नहीं रहे अपितु दूर भाग रहे हैं। संभवतः संघ से ईर्ष्या के वशीभूत होकर भी कांग्रेस ने अमेरिकी आयोग की भारत विरोधी रिपोर्ट का समर्थन किया हो। हालांकि इन सकारात्मक पहलुओं के बावजूद भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण समस्या भारतीय रुपये का अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होना है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्रकृति की नन्हीं दूत है चिड़िया

विश्व गौरैया दिवस 2026 एक बार फिर दुनिया को याद दिलाएगा कि आम पक्षियों को भी देखभाल और उसपर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। कभी उपेक्षित समझी जाने वाली गौरैया अब कई कस्बों और शहरों से गायब हो रही हैं, जो इस दिन को रोजमर्रा की जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के प्रति चिंता का प्रतीक बनाती है।

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व गौरैया दिवस नन्हीं घरेलू गौरैया और अन्य पक्षियों को समर्पित है। गौरैया की संख्या में हो रही तीव्र गिरावट के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को इन परिचित पक्षियों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु यह दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य गौरैया संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए अपने आसपास के माहौल को बेहतर करना है। विश्व गौरैया दिवस 2026 एक बार फिर दुनिया को याद दिलाएगा कि आम पक्षियों को भी देखभाल और उसपर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। कभी उपेक्षित समझी जाने वाली गौरैया अब कई कस्बों और शहरों से गायब हो रही हैं, जो इस दिन को रोजमर्रा की जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के प्रति चिंता का प्रतीक बनाती है।

गौरैया मानव इतिहास के सबसे परिचित पक्षियों में से एक हैं। वे घरों, खेतों, बाजारों और शहरी सड़कों के पास पाई जाती हैं। उनकी उपस्थिति यह दशार्ती है कि किसी क्षेत्र में अभी भी पर्याप्त भोजन, सुरक्षित घोंसले बनाने की जगह और बुनियादी पारिस्थितिक संतुलन मौजूद है। गौरैया की मधुर चहचहाहट कई देशों में सुबह और शाम के जीवन का अभिन्न अंग रही है। गौरैया छोटे, फुतीर्ले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है।

जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको घर के आंगन में सबसे अधिक जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्हीं चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह चिड़िया बचपन से हमारी साथी बन जाती है जो बच्चों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपट कर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव-देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते हैं। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।

गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती। कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भागदौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके।

गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारों का कहना है कि यह चिड़िया शांति और सद्भावना का संदेश लेकर आती है।

आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी-सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की ह्यरॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बड्र्सह्ल ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को ह्यरेड लिस्टह्ल में डाला था। वहीं, आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बड्र्स (एसओआईबी) रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है। हालांकि भारत में हाउस स्पैरो की संख्या कम होने की आम धारणा है। गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता को लेकर दिल्ली सरकार ने 2012 और बिहार सरकार ने 2013 से गौरैया को राजकीय पक्षी घोषित कर रखा है।

कभी हमारे घर-आंगन में गिरे अनाज खाने गौरैया फुर्र से आती थी और दाना चुगकर उड़ जाती थी। हालांकि गांवों में आज भी कई घरों में गौरैया आ रही है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में आहार की कमी, बढ़ता आवासीय संकट, कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवन-शैली में बदलाव, प्रदूषण और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा है।

गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं। गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं।

जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानों ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है। गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घोंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घोंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी-सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

सूर्य को अर्घ्य देते समय क्यों जरूरी है गंगाजल-गुड़

भारतीय संस्कृति में सूर्य देव की पूजा-उपासना का विशेष महत्व होता है। वैदिक ज्योतिष के मुताबिक सूर्य हमारे जीवन का आधार है। यह स्वास्थ्य, ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता के प्रतीक माने जाते हैं। सूर्य देव को अर्घ्य देना सिर्फ धार्मिक परंपरा नहीं है, बल्कि यह जीवन में मानसिक शक्ति, सकारात्मकता और आत्मबल बढ़ाने का शक्तिशाली उपाय है। ज्यादातर महिलाएं सुबह के समय सूर्य देव को अर्घ्य देकर अपने दिन की शुरूआत करती हैं। माना जाता है कि गंगाजल में गुड़ मिलाकर सूर्य देव को अर्घ्य देना शुभ होता है। इससे न सिर्फ व्यक्ति के पापों का नाश होता है, बल्कि सूर्य दोष शांत होता है और जीवन में सुख-समृद्धि, आत्मविश्वास और ऊर्जा को बढ़ाता है।

जानिए गंगाजल और गुड़ का महत्व

शुद्धता का प्रतीक है गंगाजल

गंगाजल अपने आप में शुद्ध और दिव्य माना जाता है। यह निगेटिव एनर्जी को दूर करता है और शरीर व मन को पवित्र बनाता है। सूर्य देव की किरणों के साथ इनके संपर्क में जातक में ऊर्जा और तेज बढ़ता है। ज्योतिष शास्त्र में गुड़ का संबंध सूर्य और शुक्र ग्रह से माना जाता है। गुड़ सूर्य की ऊर्जा को संतुलित करता है और जीवन में मिठास और स्थिरता लाता है।

ज्योतिषीय दृष्टि से गंगाजल और गुड़ के लाभ

सूर्य ऊर्जा का शुद्धिकरण

अगर जातक की कुंडली में सूर्य कमजोर या पाप ग्रहों से प्रभावित होता है, तो इससे जातक का आत्मविश्वास कम हो जाता है। गंगाजल में गुड़ मिलाकर सूर्य देव को अर्घ्य देने से सूर्य की ऊर्जा शुद्ध होती है और जातक की मनोबल बढ़ता है।

आत्मविश्वास और सम्मान में बढ़ोत्तरी

सूर्य सम्मान और नेतृत्व का ग्रह माना जाता है। सूर्य देव को नियमित रूप से अर्घ्य देने से जातक के आत्मसम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। यह उपाय उन महिलाओं के लिए लाभकारी होता है, जो सरकारी नौकरी या नेतृत्व से जुड़ी हैं।

पितृ दोष

सूर्य देव हमारे पितरों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। गंगाजल में गुड़ मिलाकर अर्घ्य देने से पितृदोष शांत होता है। साथ ही जातक को पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सेहत संबंधी लाभ

गुड़ में लौह तत्व पाए जाते हैं और यह शरीर के लिए ऊर्जा का स्त्रोत है। सूर्य देव को अर्घ्य देने से जातक के शरीर में जीवन शक्ति और संतुलन बढ़ता है। आंखों, दिल और ब्लड सकुर्लेशन में भी सुधार होता है।

जानिए अर्घ्य देने की विधि

सुबह जल्दी सूर्योदय से पहले स्नान आदि कर लें। फिर तांबे के लोटे में गंगाजल मिलाएं और थोड़ा सा गुड़ मिलाएं।

अब पूर्व दिशा की ओर मुख करके खड़े हों। दोनों हाथों से लोटा उठाते हुए 'ऊँ घृणि सूर्याय नमः' मंत्र का उच्चारण करते हुए अर्घ्य दें। सूर्य देव को अर्घ्य देने समय मन में शांति और आभार का भाव रखें।

टिप्स

योग का पावरहाउस है 'विपरीत करणी' आसन

बॉलीवुड की फेमस अभिनेत्री करीना कपूर अपनी टोंड बॉडी और जवां निखार के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस खुद को फिट रखने के लिए रोजाना योगासन करती हैं। वहीं हर लड़की या महिला फिट और टोंड बॉडी पाना चाहती हैं। ऐसे में आप भी फिट बॉडी और जवां लुक के लिए अपनी डेली रूटीन में योगासन को शामिल कर सकती हैं। आप 10 मिनट तक सिर्फ एक योगासन करने खुद को फिट और यंग रख सकती हैं।

यह योगासन जितना दिखने में आसान लगता है, इसका शरीर और दिमाग पर भी उतना कमाल का फायदा दिखता है। ऐसे में हर महिला को अपनी डेली रूटीन में यह योगासन शामिल करना चाहिए। इस आसन को करने से आप अंदर से हेल्दी और रिफ्रेश महसूस करती हैं। साथ ही इस आसन के कई अद्भुत फायदे मिलते हैं। यह आसन विपरीत करणी आसन है। इस आसन को करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क महसूस होगा। तनाव कम होगा, चेहरे की चमक बढ़ेगी और शरीर हल्का लगेगा।

ऐसे करें विपरीतकरणी आसन

इस आसन को करने के लिए दीवार के पास किसी शांत जगह को चुनें।

फिर योगा मैट बिछाएं और आप चाहें तो इस आसन को बिस्तर पर भी कर सकती हैं।

शरीर की पोजिशन को सेट करें और घुटने मोड़कर दीवार के एकदम पास बैठें।

अब धीरे-धीरे करवट लेकर लेटें और पैरों को दीवार के ऊपर की तरफ सीधा रखें।

दीवार से आपकी कमर करीब 2-3 इंच दूर होना चाहिए।

पैरों को बिलकुल सीधा रखें औ? पंजे को ढीला छोड़ दें।

हाथों को शरीर के बगल में ढीला छोड़ दें और हथेलियां ऊपर की तरफ रखें।

आंखें बंद करें और नाक से गहरी सांस लें और फिर धीरे-धीरे छोड़ें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

आस्था के साथ किया जा रहा है खिलवाड़ : अध्यक्ष गौतम

साहिबगंज : हिंदू विरोधी बयान के विरोध ने भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव के नेतृत्व में साहिबगंज पटेल चौक पर किया गया पुतला दहन।जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने कहा कि हिन्दू आस्था के साथ हमेशा इंडी गठबंधन सरकार आए दिन हिन्दू विरोधी बयान से करोड़ों हिन्दू के आस्था के साथ खिलवाड़ करना इंडी सरकार की पेशा बन गई है।जिला अध्यक्ष ने कहा कि जिस प्रकार सदन में मुख्यमंत्री बयान दिए सरस्वती मां, लक्ष्मी पूजा पर दिए बयान शर्मनाक बयान है जिनको देश के करोड़ों हिन्दू से माफी मांगे।मौके पर जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव,जिला उपाध्यक्ष रामानन्द साह,चंद्रभान शर्मा,जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष गरिमा साह,प्रदेश कार्य समिति धर्मेंद्र कुमार,नगर अध्यक्ष विनोद कुमार चौधरी,साहिबगंज ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल,सिकंदर पोद्दार,मुकेश,संजीव ओझा,संतोष कुमार संगीता सिंहा,डोली शर्मा,जिला मंत्री चांदनी देवी,श्वेता श्रीवास्तव,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल,मनोज चौधरी,गौतम पंडित जयकांत वर्मा,प्रकाश कुमार पंडित चेतन शर्मा,पप्पू राम अरेंदु बॉस,अरविंद सिन्हा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आने वाले समय में भारत में औषधीय गुण युक्त विषयों पर शोध होगा : डॉ अनिल

साहिबगंज : रमन विज्ञान भवन एस जी 1 रसायन शास्त्र स्नातकोत्तर विभाग में स्नातक सेमेस्टर 5 सेशन 22-26 का प्रोजेक्ट इंटर्नशिप मौखिक परीक्षा डॉ अनिल कुमार विभाग अध्यक्ष एकेडमिक डीन इंचार्ज के नेतृत्व में संपन्न हुआ सभी बच्चों ने विभिन्न प्रकार के विषयों पर अपने प्रोजेक्ट वर्क को किया।जिसमें एलोवेरा ड्रॉयड एलो वेरा पाउडर, चिरौंता नीम,वॉटर सैंपल पर अपना शोध पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया।व्हाय परीक्षक के रूप में डॉ पारस नाथ राय,रिटायर्ड प्रोफेसर साहिबगंज महाविद्यालय साहिबगंज रहे।महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर अवस्थी, इतिहास विभाग डॉक्टर संजीव, अर्थशास्त्र विभाग,डॉक्टर सद्दाम सिंह मुंडा एवं डॉक्टर चंद्रशेखर,मनोविज्ञान विभाग,डॉक्टर धर्मेंद्र,रसायन शास्त्र विभाग,डॉक्टर मिथिलेश,अंग्रेजी विभाग,डॉक्टर मीरा चौधरी,वनस्पति विभाग आदि ने आकर छात्रों को उत्साहित किया।शोधार्थियों में अंकित कुमार तांती,खुशी कुमारी,लाजोर मुर्मू, मोहम्मद अब्दुल,मोहम्मद गुलाम अशरफ,प्रियंका कुमारी,राजकुमार महतो,रवि कुमार सुमन,रिचा भारती, ऋषभ राज सभी ने अपने शोध रिपोर्ट को प्रस्तुत किया।सभी ने शोधार्थी के कार्यों को सराहा डॉक्टर अनिल ने कहा कि आने वाले समय में भारत में औषधीय गुण युक्त विषयों पर शोध होगा जो असाध्य रोगों में मदद करेगा।

जनगणना कार्य पूरी गंभीरता एवं सतर्कता के साथ संपादित किया जाए : उपायुक्त

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना के प्रथम चरण के सफल संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि जनगणना का प्रथम चरण (हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंसस) 16 मई से 15 जून 2026 तक प्रस्तावित है।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, अतः इसे पूरी गंभीरता एवं सतर्कता के साथ संपादित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से डेटा संकलन में शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में जानकारी दी गई कि सोमवार से बुधवार तक जनगणना कार्य से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में जिले के कई वरीय अधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सहायक चार्ज पदाधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर भाग लेंगे। प्रशिक्षण हेतु रांची से मास्टर ट्रेनर भी पहुंचेंगे, जो गणना की प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी देंगे।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्देश दिया कि प्रशिक्षण में सभी संबंधित पदाधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा प्राप्त निदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें।

बैठक में यह भी बताया गया कि ग्राउंड लेवल पर जनगणना कार्य के लिए शिक्षकों की तैनाती की जाएगी तथा उनकी सूची तैयार कर ली गई है। उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनगणना कार्य के दौरान विशेष सावधानी बरतें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करेंगे।

जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

दुमका : गुरुवार को पीसीपीएनडीटी एक्ट के अन्तर्गत गठित जिला सलाहकार समिति तथा जिला निरीक्षण एवं अनुश्रवण समिति की बैठक उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में अल्ट्रासाउण्ड केन्द्रों के नवीकरण हेतु प्राप्त आवेदनों पर निर्णय लिया गया। साथ ही, जिला निरीक्षण दल द्वारा अल्ट्रासाउण्ड केन्द्रों के निरीक्षण के क्रम में पायी गयी खामियों पर चर्चा की गयी। उपायुक्त द्वारा स्पष्ट निदेश दिया गया कि वैसे केन्द्र जिसमें खामियाँ पायी गयी है उनसे स्पष्टीकरण की माँग की जाय।

यूरिया के अत्यधिक उपयोग पर रोक के निर्देश किसानों को जागरूक करने पर जोर

कृषि योजनाओं की प्रगति समीक्षा बीज वितरण एवं डिजिटल सर्वे में साहिबगंज अग्रणी

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि विभाग एवं आत्मा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन उपायुक्त कार्यालय कक्ष में किया गया। बैठक के प्रारंभ में 10 मार्च को जिले में हुई वर्षा के कारण मक्का एवं गेहूँ की फसलों को हुई क्षति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि यूरिया के अत्यधिक उपयोग से फसलों का तना कमजोर हो जाता है, जिससे हल्की हवा एवं वर्षा में भी फसल गिर जाती है। इस पर उपायुक्त ने सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक व सहायक तकनीकी प्रबंधक को किसानों के बीच यूरिया के संतुलित उपयोग को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया।इसके उपरांत उपायुक्त द्वारा कृषि से संबंधित विभिन्न योजनाओं जैसे रबी बीज वितरण, बिरसा फसल विस्तार योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, मिट्टी नमूना संग्रह, किसान क्रेडिट कार्ड, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना, झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना, फसल सुरक्षा कार्यक्रम, ह्रप्रति बूँद अधिक फसल, डिजिटल क्रॉप सर्वे, किसान समृद्धि योजना, आत्मा एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन की प्रगति की समीक्षा की गई।बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत रबी मौसम में 100 प्रतिशत बीज वितरण पर उपायुक्त ने संतोष व्यक्त किया। साथ ही गरमा मूंग एवं मक्का बीज का अविलंब वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उल्लेखनीय है कि जिले को 125 क्विंटल गरमा मूंग एवं 50 क्विंटल मक्का प्राप्त हुआ है, जिसका वितरण प्रखंड स्तर पर स्थित संकुलों के माध्यम से निःशुल्क किया जा रहा है।झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना के अंतर्गत जिले में मिलेट कैफेटेरिया की स्थापना हेतु प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। ज्ञात हो कि के सखी मंडलों द्वारा जिले में कुल 07 मिलेट कैफेटेरिया संचालित किए जाने हैं।मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना के तहत जिले में शत-प्रतिशत मिट्टी नमूना संग्रह का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष हेतु लक्ष्य निर्धारित करते हुए खरीफ मौसम में भी शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड की उपयोगिता का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया गया।डिजिटल क्रॉप सर्वे योजना के तहत रबी मौसम में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 69.17 प्रतिशत सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया गया है, जिससे साहेबगंज जिला राज्य में चौथे स्थान पर है।जिले में ब्लॉकचेन प्रणाली के अंतर्गत अब तक कुल 59,894 किसानों का निबंधन किया जा चुका है। उपायुक्त ने सभी प्रखंड तकनीकी प्रबंधकों एवं सहायक तकनीकी प्रबंधकों को एक माह के भीतर प्रत्येक प्रखंड से न्यूनतम 1000 नए किसानों का निबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।किसान समृद्धि योजना के तहत सभी प्रखंडों को लक्ष्य के अनुरूप चलंत सोलर पम्प इकाइयों का वितरण शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। जिले में अब तक 337 पम्प सेटों का कार्यादेश जारी किया गया है, जिनमें से 292 पम्प सेट स्थापित किए जा चुके हैं तथा 285 पम्पों का भौतिक सत्यापन भी पूर्ण कर लिया गया है।आगामी वित्तीय वर्ष के लिए कार्य योजना भी तैयार की गई, जिसमें मिट्टी नमूना संग्रह में वृद्धि, ब्लॉकचेन प्रणाली में नए किसानों का निबंधन, इनपुट डीलरों का भौतिक सत्यापन एवं आत्मा योजना अंतर्गत जिला प्रसार कार्य योजना को प्राथमिकता दी गई है।बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोक्ता, उप परियोजना निदेशक आत्मा मन्टू कुमार सहित विभिन्न प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक और सहायक तकनीकी प्रबंधकों ने भाग लिया।

शांति का संदेश भारत ही देता रहा है और देता रहेगा : अजय कुमार

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में साहिबगंज में आद्य सरसंघचालक प्रणाम कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम में संघ के स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही।कार्यक्रम का शुभारंभ आद्य सरसंघचालक डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।इस अवसर पर विभाग प्रचारक अजय कुमार ने उपस्थित स्वयंसेवकों और नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा की डॉ हेडगेवार का जीवन,त्याग एवं राष्ट्र निर्माण में समर्पित रहा।उन्होंने कहा कि डॉ.हेडगेवार द्वारा स्थापित संघ आज भी समाज में संगठन,संस्कार और सेवा की भावना को सशक्त कर रहा है।उन्होंने कहा कि आज 100 वर्ष पूरा करने वाला एकमात्र संगठन आर एसएस है।अजय कुमार ने कहा कि हजारों वर्षों तक भारत पर हमला हुआ लेकिन आज भी सनातन संस्कृति अक्षुण बनी हुई है।उन्होंने कहा कि संघ की शाखा आपको जीवन शैली सिखाती है और भारत आज पुनः विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है।संपूर्ण विश्व में अराजकता का माहौल है। और पूरा विश्व की निगाहें भारत की ओर है।शांति का संदेश यदि कोई दे सकता है तो वह एकमात्र देश भारत है।उन्होंने कहा कि भगवान राम के जीवन को आप अपने जीवन में उतरे और अपने परिवार समाज और राष्ट्र को एक नई दशा और दिशा दें। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने संघ के कार्यों एवं समाज में उसकी भूमिका पर चर्चा करते हुए युवाओं से राष्ट्रहित में आगे आने का आह्वान किया।साथ ही सामाजिक समरसता,सेवा कार्य एवं राष्ट्रभक्ति को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया।अंत में सभी उपस्थित स्वयंसेवकों ने राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव के साथ संघ प्रार्थना में भाग लिया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवक प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

पहली ही पोस्टिंग में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी 40 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/ बरहरवा : गुरुवार को बरहरवा प्रखंड मुख्यालय आपूर्ति पदाधिकरी के कार्यालय में तभी अचानक हड़कंप मच गया।जब एन्टी करप्शन ब्यूरो की टीम ने छापेमारी कर बरहरवा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नंदन कुमार को रंगे हाथ (₹40000 चालीस हजार रुपये)रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया मिली।जानकारी के अनुसार प्रखंड आपुर्ति प्राधिकारी नंदन कुमार द्वारा प्रखंड क्षेत्र के जनवीतरण प्रणाली दुकानदारों (डीलरों) से ₹5000 प्रत्येक माह रिश्वत के तौर पर जमा कराने का दबाव बनाया जा रहा था।जब तक पैसे नहीं मिलेंगे रजिस्टर में हस्ताक्षर नहीं करने की बात कहीं।जिससे डीलरों में नाराजगी थी,इस भ्रष्टाचार के खिलाफ डीलरों ने करवाई की ठानी और डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष आलमगीर आलम ने दुमका भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में इसकी शिकायत कर दी।शिकायत के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम बरहरवा प्रखंड मुख्यालय सादे लिबास में पहुंची और शिकायतकर्ता आलमगीर आलम को रिश्वत के पैसे देकर आपूर्ति पदाधिकारी नंदन कुमार के पास भेजा,जैसे ही एमओ ने रिश्वत के पैसे आलमगीर से लिये पहले से घात लगाए एसीबी की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के बाद पूरे प्रखंड में हड़कंप मच गई,भीड़ जमा हो गई। हालांकि एसीबी की टीम मीडिया को किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान अभी नहीं दी है,टीम ने उन्हें गिरफ्तारी के बाद दुमका भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कार्यालय दुमका ले गई।

दो माह पूर्व ही हुई थी नंदन कुमार की बरहरवा प्रखंड में पहली पोस्टिंग : बताया जा रहा है कि नंदन कुमार की नियुक्ति करीब दो महीने पहले ही एमओ पद पर हुई थी।वह मूल रूप से दुमका जिले के स्थानीय निवासी हैं।उन्होंने सीजीएल परीक्षा पास कर यह सरकारी पद हासिल किया था और बरहरवा में उनकी यह पहली पोस्टिंग थी।शुरूआती कार्यकाल में ही इस तरह के आरोप लगने से विभाग में भी चर्चा का माहौल है।इस कार्यवाही से डीलरों ने राहत की साँस ली है,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जब से नए एमओ यहाँ पदभार ग्रहण किये थे तब से पीडीएस डीलर काफी परेशान थे,हर काम के लिए डिमांड करने की बात कही जा रही थी जिसके बाद शिकायत और कार्यवाही का मूड तय किया गया।

प्रसाद का आनंदवाद और प्रसादांत की अवधारणा हमें मानसिक शांति का मार्ग दिखाती

संवाददाता

साहिबगंज : महाकवि जयशंकर प्रसाद ट्रस्ट,लखनऊ केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा और हिंदी विभाग विश्व भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी महाकवि जयशंकर प्रसाद साहित्य-संस्कृति महोत्सव 2026 में विश्व-भारती विश्वविद्यालय शांतिनिकेतन के हिंदी विभाग में शोधार्थी अमन कुमार होली ने जयशंकर प्रसाद की कहानियों में सामाजिक यथार्थ के विविध आयामों पर एक महत्वपूर्ण शोध-पत्र प्रस्तुत किया है।साहिबगंज की माटी से निकलकर काशी हिंदू विश्वविद्यालय होते हुए शांतिनिकेतन तक का सफर तय करने वाले अमन ने अपने शोध के माध्यम से साहित्य जगत में अपने जिले का नाम रोशन किया है।अमन के इस शोध-पत्र की सराहना करते हुए स्वयं महाकवि जयशंकर प्रसाद जी की प्रपौत्री ने कहा अमन के शोध में जिन गहराई से पड़ताल और आलोचनात्मक विमर्शों का उल्लेख किया गया है।वह प्रसाद जी की कहानी कला और पात्रों की संवादधर्मिता को समझने के लिए नवीनतम आयाम देता है।जयशंकर प्रसाद को अक्सर केवल नाटकों और छायावादी काव्यों तक सीमित देखा जाता रहा है।लेकिन अमन का शोध दृष्टिकोण बहुत प्रभावी है।अमन ने छायावाद के स्तंभ जयशंकर प्रसाद और कथा सम्राट प्रेमचंद की तस्वीर भी सप्रेम भेंट की,इस मौके पर जयशंकर प्रसाद ट्रस्ट के संस्थापक अवधेश गुप्ता ने कहा कि अमन द्वारा भेंट की गई तस्वीर बहुत ऐतिहासिक है।इसे हम बनारस स्थित गोवर्धन सराय जयशंकर प्रसाद जी के अध्ययन कक्ष में स्थापित करेंगे।तस्वीर ने सबका मन मोह लिया है।हम अमन के भेंट को सहर्ष स्वीकार करते हुए आभार और उनके जीवन के लिए उज्जवल कामना करते हैं।प्रेमचंद और प्रसाद जी में बहुत गहरी दोस्ती थी और दोनों अपने अपने विधा में निपुण थे संगोष्ठी में अपनी भूमिका रखते हुए उन्होंने कहा कि मेरा यह मानना है कि प्रसाद का यथार्थ मुंशी प्रेमचंद के 'स्थूल यथार्थ' से भिन्न 'सूक्ष्म और मनोवैज्ञानिक यथार्थ' है।जहाँ प्रेमचंद समाज की बाह्य विद्रूपताओं को दरांती की धार जैसा तीखा प्रस्तुत करते हैं। वहीं प्रसाद जी समाज की विषमताओं को मानवीय संवेदना के मर्म में तलाशते हैं।उनके पात्र केवल सामाजिक परिस्थितियों की उपज नहीं हैं,बल्कि वे अपनी आंतरिक नैतिकता और सांस्कृतिक पहचान के लिए संघर्षरत जीवंत दस्तावेज हैं।साहित्यिक वेब पत्रिका'मीमांसा' के संस्थापक-संपादक अमन कुमार होली का यह शोध न केवल प्रसाद के'भावपरक यथार्थवाद को रेखांकित करता है।बल्कि उन्हें मुंशी प्रेमचंद के समानांतर एक सशक्त सामाजिक कथाकार के रूप में भी स्थापित करता है।विश्व-भारती के प्राध्यापकों ने भी अमन को भविष्य के एक गंभीर आलोचक के रूप में देखते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।मौके पर अमन ने बताया कि साहित्य के आकाश में जयशंकर प्रसाद एक ऐसे रचनाकार हैं।जिनकी आभा ने कविता, नाटक और निबंध के साथ-साथ कहानी विधा को भी दीप्तिमान किया है।प्रायःआलोचना जगत में उन्हें 'स्वप्निल संसार' और 'ऐतिहासिक रूमानीवाद' का रचनाकार मानकर उनके सामाजिक सरोकारों को गौण कर दिया गया।किंतु,जब हम साहिबगंज की धरती के अनुभवों को काशी की विद्वत्ता और शांतिनिकेतन की दार्शनिक गहराई के साथ जोड़कर देखते हैं,तो प्रसाद का एक नया रूप सामने आता है एक ऐसा कथाकार जो समाज की धधकती समस्याओं और अंतर्मन के द्वंद्वों का कुशल चितेरा है।उन्होंने आगे कहा कि आज के डिजिटल और आभासी युग में,जहाँ मानवीय संवेदनाएँ यांत्रिक हो रही हैं।प्रसाद का 'आनंदवाद' और 'प्रसादांत' की अवधारणा हमें मानसिक शांति का मार्ग दिखाती है।मेरा शोध यह स्पष्ट करता है कि प्रसाद जी के पात्र बाह्य संघर्षों से अधिक आंतरिक विजय को महत्व देते हैं।वे समाज के 'बाहर' को बदलने से पहले मनुष्य के 'अंतर्मन' को बदलने के पक्षधर थे।साहिबगंज कॉलेज से लेकर काशी हिंदू विश्वविद्यालय और अब विश्व-भारती की इस पावन धरा तक की मेरी साहित्यिक यात्रा में,मैंने यही पाया है कि प्रसाद जी का साहित्य वह सेतु है जो जीवन के कड़वे दुखों को दार्शनिक गहराई के माध्यम से 'शाश्वत आनंद' में बदल देता है।उनके सामाजिक यथार्थ के आयाम आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं,जितने उनके युग में थे।अमन ने अपने माता-पिता,गुरू जनों और सभी प्रशंसकों को आभार व्यक्त किया है।

26 साल बाद दिखेगी

शिल्पा और जैकी की जोड़ी

बॉलीवुड के दो लोकप्रिय सितारे शिल्पा शेट्टी और जैकी श्रॉफ एक बार फिर साथ काम करने जा रहे हैं। करीब 26 साल बाद दोनों की जोड़ी परदे पर वापसी कर रही है। यह नई शुरुआत प्राइम वीडियो की एक वेब सीरीज के जरिए होगी। सूत्रों के अनुसार... यह 8 एपिसोड की 'स्लाइस-ऑफ-लाइफ' ड्रामा सीरीज होगी। कहानी शहरी रिश्तों और जिंदगी में मिलने वाले दूसरे मौकों पर आधारित होगी। निर्माता इस शो को भावनात्मक और असल जिंदगी के करीब बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शक इससे खुद को जोड़ सकें। सीरीज की स्क्रिप्ट फाइनल हो चुकी है। फिलहाल प्रोडक्शन टीम मुंबई और पुणे में शूटिंग के लिए लोकेशन तलाश रही है। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा तो मार्च से शूटिंग शुरू हो जाएगी। बताया जा रहा है कि शूटिंग का शेड्यूल करीब 60 दिनों का होगा।'

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बॉलीवुड में 'फेक मूवीज' पर कसा तंज

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जिन्हें आखिरी बार नेटफ्लिक्स की क्राइम थ्रिलर 'रात अकेली हैः बंसल मर्डर्स' में देखा गया था, उन्होंने एक इवेंट में बॉलीवुड पर 'फेक फिल्में' बनाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सच्चाई जानते हुए, उसके बारे में कोई बोलता नहीं है। लेकिन उस पर फिल्में बनाई जा रही हैं। इस पर लोगों को लग रहा है कि एक्टर ने 'धुरंधर' और 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्मों को निशाना बनाया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक इवेंट में हिस्सा लिया और वहां पर उनसे ईरान-इजराइल युद्ध के बारे में पूछा गया कि मौजूदा हालात को देखते हुए और जिस तरह से फिल्में ऐसे विषयों को स्क्रीन पर ला रही हैं, तो क्या फिल्ममेकर्स के पास भी समाज को गाइड करने की जिम्मेदारी होती है तो एक्टर ने जवाब दिया, 'समाज को गलत दिखा में ले जाने की जरूरत नहीं है। सच्चाई बहुत इम्पॉर्टेंट है और सच्चाई हर इंसान आज की डेट में जानता है। जिस तरह की फिल्में बन रही हैं, उनके पीछे की सच्चाई क्या है, आप जानते हैं लेकिन आप बोलेंगे नहीं।' जब उनसे नैरेटिव-बेस्ड फिल्मों के बारे में पूछा गया तो वह बोले, 'झूठी फिल्में बन रही हैं हमारे यहां। फेक फिल्में बन रही हैं। ये सब जानते हैं। दुनिया में क्या हो रहा है। सब जानते हैं। असली सच्चाई क्या है। ये भी सब जानते हैं।'

राजकुमार राव की अगली फिल्म का हुआ ऐलान

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'मालिक' में खूंखार लुक में नजर आए थे। अब उनकी आने वाली फिल्म अनाउंसमेंट हो गई है। एक्टर और मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी शेयर की।. राजकुमार राव अगली फिल्म 'रफ्तार' में नजर आएंगे। उनके साथ साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश लीड रोल में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर कर रहे हैं, जबकि इसे राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा अपने बैनर कम्पा फिल्म के तहत प्रोड्यूस कर रही हैं।

फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी तेजी से बढ़ती स्टार्टअप की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें एक ऐसे लड़के और लड़की की कहानी दिखाई जाएगी जो सफलता पाने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी हैं। जैसे-जैसे पैसा, ताकत और लालच बढ़ता है, वैसे-वैसे उनके रिश्ते की भी परीक्षा होने लगती है। बताया जा रहा है कि फिल्म भारत के कॉमर्शियल एजुकेशन सिस्टम पर एक सटायर भी है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे कई बार ज्ञान से ज्यादा मुनाफे को अहमियत दी जाती है।

कहानी यह सवाल भी उठाती है कि सफलता पाने की कीमत क्या होती है और क्या वह कीमत सच में सही है। जैसे ही पोस्ट शेयर की गई, उसके बाद से ही फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। फिल्म के नाम को देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि ये रैपर रफ्तार की बायोपिक है, और लोग बड़े उत्साह से कमेंट में रैपर रफ्तार की तारीफें कर रहे हैं। हालांकि अभी ऐसी कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है, जिसमें ऐसा जिक्र किया गया हो कि ये मूवी रैपर रफ्तार की जिंदगी पर आधारित होगी।

सपोर्ट करने वालों को

रजनीकांत ने कहा शुक्रिया

अभिनेता पर की गई अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है मामला

पिछले दिनों तमिलनाडु के राजनीतिक रणनीतिकार आधव अर्जुन ने रजनीकांत को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की। कई लोगों ने इस बात का विरोध किया। रजनीकांत ने अपने सपोर्ट में आए सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया है। पिछले दिनों तमिलनाडु के राजनीतिक रणनीतिकार आधव अर्जुन ने रजनीकांत के राजनीति करियर को लेकर चुभने वाली बात कही। उन्हें लेकर कहा था कि डीएमके परिवार ने रजनीकांत को कई धमकियां दीं, उन्हें राजनीति में आने से रोक दिया। आगे चलकर अभिनेता ने रेड जायंट द्वारा प्रोड्यूस की गई एक फिल्म में काम किया।' बता दें कि कुछ साल पहले तक रजनीकांत भी राजनीतिक रूप से सक्रिय हुए थे लेकिन वह अपने करियर को आगे नहीं बढ़ा पाए। इसी बात को लेकर आधव अर्जुन ने तंज कसा था। लेकिन इस टिप्पणी को रजनीकांत और उनके फैंस ने अपमानजनक माना। कई लोगों ने रजनीकांत को सपोर्ट किया। रजनीकांत ने मंगलवार को एक एक्स (ट्विटर) पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैं उन सभी लोगों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने उनकी अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा की। मेरे समर्थन में अपनी आवाज उठाई। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता एडप्पादी पलानीस्वामी, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन, तमिलनाडु के मंत्री रघुपति, थोल. थिरुमावलवन, एस.पी. वेलुमणि और मेरे दोस्त अन्नामलाई, अर्जुनमूर्ति, अंबुमणि रामदास, जी.के. वासन, जॉन पांडियन, पुगाझेंधी और विभिन्न पार्टियों के कई अन्य राजनीतिक नेता। मैं इन सभी का आभार व्यक्त करता हूं।'

शादी के बाद

भारतीय अंडर-20 महिला टीम एशियाई कप में चुनौती के लिए तैयार : शुभांगी सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली : दो दशकों के इंतजार के बाद, भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम का नेतृत्व करेंगी और उनका पहला मुकाबला 02 अप्रैल को जापान के खिलाफ थाईलैंड में होगा।

शुभांगी ने कहा कि टीम का फोकस अब सिर्फ क्वालीफाई करने पर नहीं, बल्कि चुनौतीपूर्ण ग्रुप मैचों में शानदार प्रदर्शन करने पर है। भारत ग्रुप-सी में जापान, ऑस्ट्रेलिया और चाइनीज ताइपेई के खिलाफ खेलेगा। ग्रुप के टॉप दो और दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान की टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीमें 2026 के फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टीम वर्तमान में कोलकाता में प्रशिक्षण ले रही है और 20 मार्च की सुबह थाईलैंड के लिए रवाना होगी। शुभांगी ने कहा, ह्लतीन कठिन ग्रुप मैचों के लिए हमारा फोकस पूरी तरह तैयार है। हमें कोई आसान मैच नहीं मिलेगा। हम शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।ह्व

टीम ने इस अभियान के लिए व्यापक तैयारी की है। साल की शुरूआत में स्वीडन में एक महीने का कैम्प और पिछले साल के अंत में उज्बेकिस्तान और कजाखस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैचों ने टीम को उच्च-तीव्रता वाले फुटबॉल का अनुभव दिया। शुभांगी ने बताया कि स्वीडन में यूरोपीय क्लबों के खिलाफ खेलना बेहद उपयोगी रहा। शुरूआती हार ने टीम को वास्तविकता का एहसास दिलाया, लेकिन धीरे-धीरे टीम ने बेहतर प्रदर्शन करना शुरू किया।

उज्बेकिस्तान और कजाखस्तान के खिलाफ पहले और बाद में खेले गए कई मुकाबलों ने टीम को शारीरिक रूप से मजबूत विरोधियों से मुकाबला करने का अनुभव दिया। शुभांगी ने कहा, ह्लहमारे कोर खिलाड़ियों ने एक साल से अधिक समय साथ बिताया है, जिससे आपसी तालमेल और समझ मजबूत हुई है। इससे टीम की रणनीति और समन्वय बेहतर हुआ है। हैडकॉच जोआकिम एलेक्जेंडरसन के नेतृत्व में टीम ने अधिक आक्रामक और सक्रिय खेल अपनाया है। शुभांगी के अनुसार, कोच ने खिलाड़ियों को खुद को व्यक्त करने और गलती करने से डरने की बजाय खेल का आनंद लेने की सलाह दी, जिससे टीम का आत्मविश्वास और प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

अंडर-20 विश्व कप के इतिहास में छह बार विजेता जापान से पहला मुकाबला भारतीय टीम के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण होगा। शुभांगी ने कहा, ह्लजापान एक बहुत मजबूत टीम है, लेकिन हमें खेल के दौरान विपक्षी की ताकत के बारे में सोचने के बजाय अपने खेल को प्रदर्शित करना है। हमारा लक्ष्य क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना और अच्छा प्रदर्शन करना है।

शुभांगी और उनकी टीम की नजर सिर्फ प्रतियोगिता में भाग लेने पर नहीं, बल्कि शीर्ष प्रदर्शन कर जीत की उम्मीद जताने पर है। उन्होंने देशवासियों और थाईलैंड में दर्शकों से समर्थन की अपील की।

टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन भारत जून में आयरलैंड से खेलेगा सीरीज, इंग्लैंड दौरे से पहले अहम तैयारी

नई दिल्ली : टी20 वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन भारतीय क्रिकेट टीम जून में आयरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ एक अहम टी20 सीरीज खेलेगी। क्रिकेट आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर ग्रेम वेस्ट ने इस सीरीज की पुष्टि की है। यह सीरीज आईसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम (एफटीपी) का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसे इंग्लैंड दौरे से पहले भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तैयारी माना जा रहा है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद भारत का इंग्लैंड दौरा होगा, जहां टीम पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। ये मुकाबले चेस्टर-ले-स्ट्रीट, मैनचेस्टर, नॉटिंघम, ब्रिस्टल और साउथैम्प्टन में आयोजित होंगे। इसके अलावा तीन वनडे मैच भी खेले जाएंगे। ऐसे में आयरलैंड सीरीज भारतीय टीम के लिए संयोजन और फॉर्म को अंतिम रूप देने का अच्छा मौका होगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने हाल ही में घरेलू जमीन पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीता था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 96 रन से हराकर रिकॉर्ड तीसरी बार यह खिताब अपने नाम किया। इस जीत के बाद टीम का मनोबल काफी ऊंचा है। इस बीच आयरलैंड क्रिकेट में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अनुभवी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग ने टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है, हालांकि वह वनडे टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। वेस्ट ने उनकी नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि अब यह सही समय है कि नया कप्तान अपनी रणनीति और शैली विकसित करे, जिसकी शुरूआत भारत के खिलाफ सीरीज से होगी।

एरलिंग हालांड ने शतरंज में लगाया दांव, टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर को देंगे नई पहचान

एजेंसी

ओस्लो : दुनिया के चर्चित फुटबॉल स्टार एरलिंग हालांड अब शतरंज की दुनिया में भी बड़ा निवेश कर रहे हैं। हालांड ने नॉर्वे चेस में निवेश करते हुए ह्यटोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूरह्ल की शुरूआत में अहम भूमिका निभाई है। उनका लक्ष्य शतरंज को अधिक दर्शक-हितैषी और वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाना है। नॉर्वे चेस लंबे समय से खेल में नवाचार के लिए जाना जाता है, और अब यह नया टूर शतरंज को एक नए स्तर पर ले जाने की कोशिश है। हालांड ने नॉर्वे के उद्योगपति मॉर्टन बोर्गे के साथ मिलकर ह्यचेस मेट्सह्ल नामक कंपनी बनाई है, जो नॉर्वे चेस में एक प्रमुख हिस्सेदार होगी। यह टूर हर साल चार अलग-अलग शहरों में चार टूनामेंट के रूप में आयोजित किया जाएगा। इसमें फास्ट क्लासिक, रैपिड और ब्लिट्ज-तीनों फॉर्मेट को मिलाकर एक संयुक्त विश्व चैंपियन चुना जाएगा। इस पहल को एफआईडीई की मंजूरी भी मिल चुकी है और इसे कम से कम 16 वर्षों तक आयोजित करने की योजना है। इस नई चैंपियनशिप का पायलट टूनामेंट 2026 के शरद ऋतु में आयोजित किया जाएगा, जबकि 2027 से इसका पूरा सीजन शुरू होगा। हर साल चार इवेंट्स के साथ कम से कम 2.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार रखा जाएगा, जो इसे शतरंज के सबसे बड़े आयोजनों में शामिल कर सकता है। हालांड ने कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जो दिमाग को तेज करता है और इसमें फुटबॉल जैसी रणनीतिक सोच की जरूरत होती है। उनके अनुसार, दोनों खेलों में तेजी से निर्णय लेना, आगे की चाल सोचकर खेलना और रणनीति बनाना बेहद जरूरी होता है। वहीं, मॉर्टन बोर्गे ने भी कहा कि शतरंज दीर्घकालिक सोच और रणनीति का खेल है, जो न केवल खेल बल्कि निवेश की दुनिया में भी अहम भूमिका निभाता है।नॉर्वे चेस और टोटल चेस के सीईओ केजेल मैडलैंड ने हालांड के जुड़ने का स्वागत करते हुए कहा कि यह टूर वैश्विक शतरंज कैलेंडर के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक बन सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि हालांड की लोकप्रियता और वैश्विक पहुंच इस खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करेगी। हालांड जैसे वैश्विक आइकन के निवेश से यह स्पष्ट है कि शतरंज अब पारंपरिक सीमाओं से निकलकर एक बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस्कॉन और प्रेम मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

मथुरा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने तीन दिवसीय मथुरा प्रवास के लिए गुरुवार को कान्हा की नगरी पहुंचीं। कैंट हेलीपैड पर उतरने के बाद राष्ट्रपति ने ब्रज के सुप्रसिद्ध इस्कॉन और प्रेम मंदिर के दर्शन किए। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और उनका परिवार भी मौजूद रहा।गुरुवार दोपहर राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर सेना के हेलीपैड पर उतरा। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, प्रभारी मंत्री संदीप सिंह, सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, लेफ्टिनेंट जनरल वी. हरिहरन, अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ, मंडलायुक्त आगरा नगेन्द्र प्रताप, ग्रुप कैप्टन शिवम मनचंदा और जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति का काफिला सीधे वृंदावन के लिए रवाना हुआ। राष्ट्रपति सबसे पहले वृंदावन स्थित इस्कॉन मंदिर पहुंचीं। मंदिर के 50वें स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर उन्होंने राधा-श्यामसुंदर के विग्रह का विधि- विधान से पूजन और आरती की। मंदिर के प्रेसिडेंट पंचगौड़ा दास ने बताया कि राष्ट्रपति मंदिर की साज- सज्जा और भक्तिमय वातावरण से बेहद प्रभावित हुईं। पूजन के उपरांत राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर में बच्चों से आत्मीयता से बातकर उन्हें चॉकलेट भेंट की। उन्होंने मंदिर अधिकारियों से कहा कि वे यहां पुनः दर्शन के लिए आना चाहेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे को देखते हुए पूरे मथुरा- वृंदावन में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ और एसएसपी श्लोक कुमार स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले रहे। राष्ट्रपति का यह दौरा ब्रज की सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता को वैश्विक पटल पर एक नई ऊंचाई प्रदान करने वाला रहा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रेमानंद महाराज से की भेंट, लिया आशीर्वाद

मथुरा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज अपने दूसरे दिन के दौरे के दौरान वृंदावन में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और बातचीत की। राष्ट्रपति की इस यात्रा को लेकर पूरे मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वो सुबह करीब 7:30 बजे सुरक्षा के कड़े पहरे के बीच आश्रम पहुंचीं। प्रेमानंद महाराज ने राष्ट्रपति को ब्रज की महिमा और सेवा भाव का महत्व समझाया। इस आध्यात्मिक मिलन ने न केवल ब्रजवासियों बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा है। आश्रम पहुंचने पर प्रेमानंद महाराज के शिष्यों और परिकरों ने राष्ट्रपति का भव्य एवं पारंपरिक स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मु और पूज्य महाराज के बीच वातार्लाप हुआ।इस भेंट के दौरान मुख्य रूप से अध्यात्म, निस्वार्थ सेवा और जनकल्याण जैसे गहन विषयों पर चर्चा की गई। राष्ट्रपति नीम करोली बाबा के स्मारक का भी दौरा करेंगी। शाम को वे रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में एक नए ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन करेंगी। अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति साध्वी ऋतंभरा द्वारा स्थापित संस्था वात्सल्य ग्राम में भी रुकेंगी। उनकी यात्रा 21 मार्च को गोवर्धन के दंगहाटी मंदिर में प्रार्थना के साथ समाप्त होगी। नई दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले सात मील की पारंपरिक गोवर्धन परिक्रमा करेंगी। राष्ट्रपति के मथुरा और वृंदावन दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सुरक्षा कारणों और आतंकी संगठनों के संभावित खतरों के मद्देनजर पूरे जनपद को ह्लनो-फ्लाई जोनह्ल घोषित कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट की ओर से जारी आदेश के अनुसार, मथुरा जनपद की सीमा में यह पाबंदी 19 मार्च को सुबह 10 बजे से लागू हो गई है और 21 मार्च को शाम 05 बजे तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान जिले में ड्रोन, पतंग या किसी भी प्रकार के गुब्बारे उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

विस चुनाव 2026 : पोटाशपुर में चुनावी संग्राम हुआ तेज

एजेंसी

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के पोटाशपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी प्रचार के दौरान एक बार फिर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भाजपा उम्मीदवार एवं पूर्व सैनिक तपन माइती के जनसंपर्क अभियान के दौरान गोकुलपुर इलाके में एक नशे में धुत युवक की आपत्तिजनक टिप्पणी और गाली-गलौज से माहौल अचानक गरमा गया, जिससे स्थानीय स्तर पर राजनीतिक संवेदनशीलता बढ़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर देवनाथपल्ली गांव में प्रचार के दौरान एक युवक ने कथित रूप से तपन माइती का रास्ता रोक लिया और ह्लममता बनर्जी जिंदाबादह्ल के नारे लगाते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। स्थिति धीरे-धीरे तनावपूर्ण होने लगी, हालांकि स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप से युवक को वहां से हटा दिया गया। बताया जा रहा है कि आरोपित युवक नशे की हालत में था। इधर, शुक्रवार सुबह प्रचार के लिए निकलते समय भाजपा के मंडल अध्यक्ष कृष्ण गोपाल दास ने आरोप लगाया कि एक तृणमूल समर्थक ने उनकी गाड़ी रोककर गाली-गलौज की और बार-बार अनुरोध के बावजूद रास्ता नहीं छोड़ा। उन्होंने दावा किया कि लगभग हर गांव में इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी किसी भी स्थिति की तत्काल सूचना पुलिस को दी जाएगी। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार पीयूष कांति पंडा ने आरोपों का खंडन करते हुए पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बाहरी उम्मीदवार पोटाशपुर में दबंगई दिखा रहे हैं और ऐसे व्यवहार को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पोटाशपुर विधानसभा सीट पर तृणमूल कांग्रेस का मजबूत प्रभाव रहा है। वर्ष 2021 के चुनाव में तृणमूल के उत्तम बारिक ने एक लाख पांच हजार 299 मत प्राप्त कर भाजपा के अंबुजाक्ष महंती को नौ हजार 994 मतों से पराजित किया था। इससे पहले 2016 में भी तृणमूल के ज्योतिर्मय कर ने वाम प्रत्याशी माखनलाल नायक को 29 हजार 888 मतों के अंतर से हराया था। वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में इस सीट पर भाजपा के तपन माइती और तृणमूल कांग्रेस के पीयूष कांति पंडा आमने-सामने हैं। यह मुकाबला राज्य में तृणमूल कांग्रेस की पकड़ बनाए रखने और भाजपा के विस्तार की रणनीति के बीच सीधा राजनीतिक संघर्ष माना जा रहा है।

उच्च न्यायालय के रजिस्टार जनरल ने जारी किया न्यायिक अधिकारियों का तबादला आदेश

रायपुर : उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अनुशंसा पर रजिस्टार जनरल रजनीश श्रीवास्तव ने प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया है। यह आदेश 18 मार्च को जारी किया गया है।
जारी सूची के मुताबिक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जांजगीर -चाम्पा शक्ति सिंह राजपूत का अम्बिकापुर सरगुजा, रजिस्टार न्यायिक हाई कोर्ट खिलावन राम रिगरी का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोंडागाँव, प्रधान जिला एवं सत्र परिवार न्यायालय जांजगीर संघरत्ना भटपहरी का कबीरधाम कवर्धा तबादला किया गया है। जयदीप गर्ग विशेष न्यायाधीश एससी, एसटी कोरबा से जांजगीर चाम्पा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सुमित कपूर एडिशनल रजिस्टार न्यायिक हाई कोर्ट को रजिस्टार न्यायिक स्थापना, द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित कुमार कोहली जगदलपुर से एडिशनल डारेक्टर छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी बिलासपुर, सप्तम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिग्विजय सिंह रायपुर से एडिशनल डारेक्टर न्यायिक अकादमी बिलासपुर, अष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमेश कुमार उपाध्याय रायपुर से एडिशनल रजिस्टार न्यायिक हाई कोर्ट, परिवार न्यायाधीश लीलाधर सारथी कवर्धा से विशेष न्यायाधीश एससी, एसटी कोरबा तबादला किया गया है।

बिलासपुर : नवरात्रि मेले के लिए खास इंतजाम,
इतवारी-कोरबा के बीच चलेगी मेमू स्पेशल डोंगरगढ़ जाने वाले भक्तों को राहत

एजेंसी

बिलासपुर : चैत्र नवरात्रि के दौरान डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों के लिए विशेष सुविधा का ऐलान किया है। श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए इतवारी और कोरबा के बीच मेमू स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी, जिससे हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे प्रशासन ने 23 मार्च से 28 मार्च तक इतवारीझकोरबा रेलखंड पर मेमू स्पेशल ट्रेन संचालित करने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन प्रतिदिन दोनों दिशाओं में चलेगी और कुल 63 स्टेशनों पर रुकते हुए लगभग 14 घंटे 30 मिनट में अपनी यात्रा पूरी करेगी। निर्धारित समय-सारणी के अनुसार, ट्रेन संख्या 06883 इतवारी से सुबह 5 बजे प्रस्थान कर शाम 7:30 बजे कोरबा पहुंचेगी। वहीं, वापसी में ट्रेन संख्या 06884 कोरबा से सुबह 5:10 बजे रवाना होकर शाम 7:30 बजे इतवारी पहुंचेगी। नवरात्रि मेले के मुख्य केंद्र डोंगरगढ़ स्टेशन पर भी इस ट्रेन का विशेष ठहराव रखा गया है। इतवारी से आने वाली ट्रेन सुबह 9:06 बजे डोंगरगढ़ पहुंचेगी और पांच मिनट रुकने के बाद 9:11 बजे आगे के लिए रवाना होगी। वहीं, कोरबा से चलकर आने वाली ट्रेन दोपहर 1:41 बजे यहां पहुंचेगी और निर्धारित ठहराव के बाद इतवारी की ओर प्रस्थान करेगी। इस स्पेशल ट्रेन का ठहराव मार्ग के प्रमुख स्टेशनों– कलमना, कामठी, कन्हान, भंडारा रोड, तुमसर रोड, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई नगर, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, जांजगीर-नैला, चांपा और उरगा सहित कई अन्य स्टेशनों पर रहेगा।

मध्य प्रदेश में बदला मौसम, कई जिलों में हुई बारिश, ओले भी गिरे, 34 जिलों में अलर्ट जारी

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ सिस्टम के सक्रिय होने से मौसम लगातार करवट ले रहा है। पिछले दो दिनों से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि का असर देखने को मिल रहा है। गुरुवार को 15 से अधिक जिलों में मौसम अचानक बदला, कहीं तेज बारिश हुई तो कहीं ओले गिरे। मौसम विभाग के मुताबिक, साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ प्रदेश के मध्य हिस्से में सक्रिय हैं। अगले 24 घंटों में सिवनी, मंडला, बालाघाट, दतिया, निवाड़ी और टीकमगढ़ में ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इसके अलावा अन्य 28 जिलों में गरज-चमक, बिजली गिरने, तेज हवा और बारिश का अनुमान है। भोपाल में बादल छाए रहने की संभावना बनी हुई है।

कई जिलों में तेज आंधी और बारिश

गुरुवार रात कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का दौर चला। कुछ जगहों पर ओले गिरने से किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है, वहीं तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। राजधानी भोपाल में देर रात करीब 1 बजे और फिर शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े 5 बजे तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने ग्वालियर, जबलपुर सहित कुल 34 जिलों में ओले, बारिश और आंधी को लेकर अलर्ट जारी किया है।

नेपाल में नई सरकार के गठन के लिए आरएसपी में बैठकों का दौर जारी

एजेंसी

काठमांडू : राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के शीर्ष नेताओं ने नई सरकार के गठन के लिए आंतरिक चर्चा और तैयारियां शुरू कर दी हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिनिधि सभा चुनाव 2026 की रिपोर्ट राष्ट्रपति कार्यालय को प्रस्तुत कर देने के बाद आरएसपी के शीर्ष नेताओं के बीच नई सरकार गठन को लेकर बैठकों का दौर जारी है। आरएसपी के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने अपने दोनों उपाध्यक्ष स्वर्णिम वाग्ले और डीपी अर्याल के साथ गुरुवार शाम बालेन्द्र शाह के साथ बैठक कर नई सरकार में शामिल होने वाले मंत्रियों की सूची पर चर्चा की है। बताया गया है कि बालेन्द्र और रवि की टीम के बीच समन्वय कर नई सरकार में सहभागी कराया जाएगा। इस बैठक के बाद उपाध्यक्ष वागले ने कहा कि पार्टी ने नई सरकार बनाने के लिए आंतरिक तैयारी शुरू कर दी है, और सरकार के 28 मार्च को गठन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व के साथ ही सांसदों को विशेषज्ञता के आधार पर सरकार के भूमिका दी जाएगी। नेपाल के संघीय संसद सचिवालय ने सभी सांसदों के शपथ ग्रहण समारोह को 26 मार्च के लिए निर्धारित किया है। इसके दो दिन बाद, पार्टी नेताओं के अनुसार, वरिष्ठ नेता बालेन शाह प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, उससे पहले पार्टी को बालेन शाह को संसदीय दल का नेता नियुक्त करने के लिए अपने विधान में संशोधन करना होगा।

इस उद्देश्य से आरएसपी ने शनिवार को पार्टी बैठक आयोजित करने की तैयारी कर रही है, जिसमें विधान संशोधन और संसदीय दल के नेता का चयन किया जाएगा। रास्वपा के महासचिव कविन्द्र बुलाकोटी ने जानकारी दी है कि 18 सदस्यीय मंत्रिपरिषद के गठन के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, ह्लहम यथासंभव कम सदस्यों वाली मंत्रिपरिषद बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसे लगभग 18 के आसपास रखने के लिए तैयारी चल रही है। उनके अनुसार, इस दौरान कुछ मंत्रालयों को आपस में मिलाने या मंत्रियों को दोहरी जिम्मेदारी देने के विषय पर भी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, ह्लमंत्रालयों की संख्या और मंत्री बनने वालों की सूची अभी तय नहीं हुई है, लेकिन हम इसे 18 या उससे कम रखने के लिए चर्चा कर रहे हैं।ह्व

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की मजबूती और बढ़ गई। हालांकि बीच-बीच में मुनाफा वसूली भी होती रही, इसके बावजूद दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.12 प्रतिशत और निफ्टी 1.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, जेएसडब्ल्यू स्टील और टेक महिंद्रा के शेयर 4.17 प्रतिशत से लेकर 2.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, श्रीराम फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और बजाज फाइनेंस के शेयर 1.33 प्रतिशत से लेकर 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,667 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,375 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 292 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 2 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 352.14 अंक की मजबूती के साथ 74,559.38 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में हो रही चौतरफा लिवाली के कारण पहले 20 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स उछल कर 75,204.64 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 830.44 अंक की बढ़त के साथ 75,037.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 108 अंक उछल कर 23,110.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 9:30 के करीब निफ्टी 315 अंक से अधिक उछल कर 23,319.70 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण यह सूचकांक भी ऊपरी स्तर से नीचे लुढ़क गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 245.20 अंक की मजबूती के साथ 23,247.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 2,496.89 अंक यानी 3.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,207.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 775.65 अंक यानी 3.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,002.15 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

बीएचयू में पेलियोजीनोमिक्स संगोष्ठी 23 से,मानव विकास के इतिहास पर विमर्श

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और मानवशास्त्रीय सर्वेक्षण भारत (एएनएसआई) के संयुक्त तत्वावधान में 23-24 मार्च 2026 को दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। प्राचीन डीएनए, पैलियोएंथ्रोपोलॉजी, गट माइक्रोबायोम और पॉपुलेशन जीनोमिक्स अनुसंधान को एक मंच पर लाने के लिए महत्वपूर्ण संगोष्ठी में मानव विकास के इतिहास,रहस्यों पर भी चर्चा होगी।
एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के निदेशक प्रो. बी.वी. शर्मा के अनुसार दो दिवसीय कार्यशाला भारत में मानव विकास के इतिहास को समझने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मानव अध्ययन के क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को मजबूत करना, अनुसंधान प्राथमिकताओं की पहचान करना और एक बड़े अंतरराष्ट्रीय सहयोगी प्रोजेक्ट की नींव रखना है। यह आयोजन दक्षिण एशिया में मानव और प्रागैतिहासिक आबादी के प्रवास, अनुकूलन और जनसांख्यिकीय इतिहास को पुनर्निर्मित करने के साथ-साथ आधुनिक मानव स्वास्थ्य से जुड़े विकासवादी संदर्भों को समझने पर केंद्रित रहेगा। कार्यशाला में देश के प्रमुख विशेषज्ञ भाग लेंगे। पद्मश्री डॉ. के. थंगराज, डॉ. वी.एन. प्रभाकर, प्रो. वसंत शिंदे, डॉ. माधुसूदन आर. नंदिनेणी, डॉ. नवीन गांधी आदि भाग लेंगे। विभिन्न सत्रों में जैविक मानवशास्त्र, माइक्रोबायल जीनोमिक्स, प्राचीन डीएनए की तकनीकी चुनौतियां, पैलियोएंथ्रोपोलॉजी और पुरातात्विक दृष्टिकोण पर पैनल चचाएं होंगी। कार्यक्रम के समन्वयक जीन विज्ञानी प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने बताया कि यह पहल पुरातत्व, मानवशास्त्र और आधुनिक जीनोमिक्स को जोड़कर दक्षिण एशिया तथा विश्व के मानव विकास के रहस्यों को सुलझाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, इससे भारत की प्राचीन मानव इतिहास संबंधी समझ में नई क्रांति आ सकती है।

नजीबाबाद क्षेत्र में कुट्टू का आटा खाने से 10 ग्रामीण बीमार

बिजनौर : उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर के थाना नजीबाबाद क्षेत्र में कुटू का आटा खाने से 10 लोगों को फूड प्वाइजनिंग हो गई। सभी प्रभावितों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना 19 और 20 मार्च की रात करीब 12 बजे की है।
मंडावली थाना क्षेत्र में हुई इस घटना में, कुटू का आटा खाने के बाद लोगों को उल्टी और फूड प्वाइजनिंग के लक्षण महसूस हुए। पीड़ितों में जयप्रकाश (45), उनके बेटे रोहित (15) और बेटी प्रीति (19) शामिल हैं, जिन्होंने कुटू के आटे की पकौड़ी खाई थी। इन तीनों का इलाज ओम चौधरी हॉस्पिटल, मंडावली में किया जा रहा है। इसी अस्पताल में हरेवली निवासी सपना (25) का भी उपचार चल रहा है, जो कुट्टू के आटे से बनी पूड़ी खाने के बाद बीमार पड़ गई थीं। सभी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।
ग्राम सिकरोड़ा से अंश (17), चांदनी (36), और राजेंद्र की चार बेटियां - अमोली (13), श्रद्धा (10), अनामिका (14), सलोनी (14) - तथा कल्पना (रामकुमार की पत्नी) भी कुटू का आटा खाने से बीमार हो गईं। इन्हें एम्बुलेंस से सीएचसी समीपुर, नजीबाबाद भेजा गया है। कुछ अन्य लोगों का इलाज लाइफलाइन हॉस्पिटल और सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर में भी चल रहा है। पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने यह आटा नजीबाबाद में 'मोटे आम स्थित गांधी की दुकान' से खरीदा था। घटना की सूचना मिलने पर खाद्यान्न विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। मंडावली थाना पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद रही। थाना प्रभारी मंडावली राकेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में शिकायत प्राप्त होते ही आरोपी दुकानदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष भी जनपद में कूट्टू का आटा खाने से कई मामले फूड प्वाइजनिंग के सामने आये थे। इसके लिए खाद्य विभाग की उदासीनता को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है`

रायपुर : मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों को चेट्रीचण्ड्र की दी शुभकामनाएं

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज शुक्रवार को भगवान झूलेलाल जी की जयंती के पावन अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रदेशवासियों, विशेषकर सिंधी समाज को चेट्रीचण्ड्र (चैतीचांद) पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भगवान झूलेलाल जी समरसता, सहिष्णुता और जल संरक्षण के प्रतीक हैं। उनकी शिक्षाएँ आज भी मानवता को जोड़ने का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि चेट्रीचण्ड्र (चैतीचांद) सिंधी समाज का प्रमुख सांस्कृतिक पर्व है, जो न केवल झूलेलाल जी की जयंती के रूप में, बल्कि नववर्ष के रूप में भी पूरे उल्लास और आस्था के साथ मनाया जाता है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति की कामना की और कहा कि ऐसे पर्व सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव को सुदृढ़ करते हैं।

आकाशीय बिजली की चपेट में आया किसान,झुलसा

मीरजापुर : मड़िहान क्षेत्र में शुक्रवार सुबह मौसम के अचानक बदले मिजाज ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। तेज गर्जना और हल्की बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से 45 वर्षीय किसान गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़िहान में भर्ती कराया गया है। सुगापांख निवासी विजयमल मौर्या रोज की तरह रजौहा मंडी से सब्जी बेचकर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह सुगापांख स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, तभी अचानक तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आते ही वह सड़क किनारे गिरकर अचेत हो गए। घटना को देखकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए परिजनों को सूचना दी और घायल किसान को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक उपचार चल रहा है। वहीं, चुनार तहसील क्षेत्र में हुई आंधी और बारिश से गेहूं की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसल गिरने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम के इस अचानक बदलाव ने जनजीवन के साथ-साथ कृषि पर भी असर डाला है।

मुख्यमंत्री सरमा आज करेंगे नामांकन पत्र दाखिल

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे, जो राज्य के चुनावी परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण घटना मानी जा रही है। मुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री खानापाड़ा से एक विशाल रैली निकालते हुए कामरूप जिला आयुक्त कार्यालय पहुंचेंगे, जहां वे औपचारिक रूप से अपना नामांकन प्रस्तुत करेंगे। इस रैली में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है, जिससे चुनाव से पहले व्यापक जनसमर्थन का प्रदर्शन होगा।

न्यूज IN ब्रीफ

प्रो.रामकुमार सिंह को मिला एसकेएमयू के कुलपति का प्रभार

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय, दुमका के कुलपति का प्रभार बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति प्रो. राम कुमार सिंह को सौंपा गया है।

विदित हो कि सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ हैं तथा वर्तमान में उपचाररत हैं। उनके अस्वस्थ रहने के कारण विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के संचालन में कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही थीं।

इस परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लोकभवन से आवश्यक दिशा-निर्देश का अनुरोध किया गया था। प्राप्त निदेशों के आलोक में लोकभवन सचिवालय, रांची द्वारा बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति प्रो. राम कुमार सिंह को सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया है। यह व्यवस्था कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर के स्वस्थ होकर पुनः कार्यभार ग्रहण करने तक प्रभावी रहेगी।

रेड़मा काशीनगर में मिला अज्ञात युवक का शव, इलाके में सनसनी

मेदिनीनगर : शहर थाना क्षेत्र के रेड़मा काशीनगर मुहल्ले में शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे एक लगभग 25 वर्षीय युवक का अज्ञात शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। डॉग स्क्वायड की मदद से आसपास के क्षेत्र की बारीकी से छानबीन की गई और जरूरी सैंपल भी एकत्र कर जांच के लिए भेजे गए हैं।

पुलिस के अनुसार शव की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है और संदिग्ध लोगों से पूछताछ जारी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

पटमदा सीएचसी में मनाया गया विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस

जमशेदपुर : विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पटमदा में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरके सिंह की मौजदूगी में दंत चिकित्सक डॉ. दीक्षा सिंघल के नेतृत्व में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें ओपीडी के मरीज, अस्पताल के कर्मचारी तथा स्थानीय विद्यालय के छात्र शामिल थे। डॉ. सिंघल ने मुख स्वच्छता को संपूर्ण स्वास्थ्य का आधार बताते हुए प्रतिभागियों को दंत रोगों की रोकथाम, तंबाकू सेवन के दुष्प्रभाव तथा दैनिक जीवन में अपनाए जाने वाले सरल उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को विशेष रूप से सही तरीके से ब्रश करने और नियमित जांच कराने की आदत डालने पर जोर दिया।

रेल जीएम करेंगे स्टेशन पर टीवी का उद्घाटन

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन पर विज्ञापन एलइडी का उद्घाटन 23 मार्च को दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के महा प्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा द्वारा किया जाएगा। रेल महाप्रबंधक द्वारा बागबेड़ा लाल बिल्डिंग स्थित रेलवे स्कूल परिसर में मल्टी ट्रेनिंग सेंटर का भी उद्घाटन होना है। इसके अलावा रेल जीएम द्वारा टाटानगर स्टेशन विकास को लेकर जमीन की उपलब्धता के साथ अन्य तैयारियां का भी जायजा लिया जाएगा। बताया जाता है कि सुबह शालीमार से रवाना रेल महा प्रबंधक रात में फिर चक्रधरपुर से शालीमार जाएंगे।

कोल्हान विश्वविद्यालय में अब ई-समर्थ पोर्टल से मिलेगा वेतन

जमशेदपुर : झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार कोल्हान विश्वविद्यालय प्रशासन ने वेतन भुगतान की प्रक्रिया में एक बड़ा बदलाव किया है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अंजिला गुप्ता के आदेश पर अब पेरोल मैनेजमेंट सिस्टम को ई-समर्थ पोर्टल पर लाइव कर दिया गया है। इस नए नियम के तहत मार्च 2026 के महीने का वेतन विवरण (पेमेंट स्लिप) अब केवल इसी पोर्टल के माध्यम से जेनरेट और स्वीकृत किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, मुख्यालय चाईबासा के सभी स्थायी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे वेतन प्रक्रिया से संबंधित अपने सभी आंकड़े और रिकॉर्ड ई-समर्थ पोर्टल पर अपडेट करना सुनिश्चित करें। यह कदम वेतन भुगतान की प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कर्मचारियों को अपना डाटा सत्यापित करने या पोर्टल पर किसी भी प्रकार की तकनीकी त्रुटि का सामना करना पड़ता है, तो वे चाईबासा स्थित कोल्हान विश्वविद्यालय की ई-समर्थ टीम से संपर्क कर सकते हैं।

एनआईटी जमशेदपुर और आईआईटी रुड़की के बीच एमओयू

जमशेदपुर : शैक्षणिक उत्कृष्टता और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। शुक्रवार को आईआईटी रुड़की परिसर में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम के दौरान एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रो. (डॉ.) गौतम सुत्रधार और आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने इस समझौते पर मुहर लगाई। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. सूरजित कुंडू और डॉ. साई रामुडु मेका भी उपस्थित रहे। यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच साझा शैक्षणिक उद्देश्यों और उन्नत शोध परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए किया गया है।

इस साझेदारी के माध्यम से न केवल संयुक्त पीएचडी मार्गदर्शन और संकाय विनिमय कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि छात्रों के लिए इंटर्नशिप और स्टार्टअप इनक्यूबेशन के नए द्वार भी खुलेंगे। दोनों संस्थानों का लक्ष्य एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है जहाँ संसाधन और ज्ञान का आदान-प्रदान सुलभ हो सके।साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रो. गौतम सुत्रधार ने स्पष्ट किया कि इस समझौते का उद्देश्य केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि इसे वास्तविक रूप से लागू कर छात्रों और संकाय सदस्यों को सीधा लाभ पहुँचाना है। उन्होंने अनुसंधान पार्कों और नवाचार केंद्रों के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया। प्रो. सुत्रधार ने भावुक होते हुए यह भी साझा किया कि एनआईटी जमशेदपुर के कई शिक्षक आईआईटी रुड़की के ही पूर्व छात्र रहे हैं।

चक्रधरपुर में हिंदू नव वर्ष पर यात्रा, हजारों श्रद्धालुओं ने भव्य शोभा लिया हिस्सा

संवाददाता

चक्रधरपुर : हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में चक्रधरपुर में संपूर्ण हिंदू समाज के तत्वावधान में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया. इस दौरान शहर का वातावरण पूरी तरह धार्मिक और भक्तिमय रंग में रंगा नजर आया.शोभा यात्रा की शुरूआत पोटका स्थित शिव मंदिर एवं बजरंगबली मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई. नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव एवं उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने पूजा-अर्चना कर नगरवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की. इसके बाद भव्य शोभा यात्रा नगर के एनएच 75 ई से गुजरते हुए निकली. यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए.

गाजे-बाजे की धुन पर युवा, महिलाएं एवं बच्चे उत्साहपूर्वक थिरकते नजर आए. 'जय श्री राम' के जयघोष से पूरा चक्रधरपुर गूंज उठा, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया. यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया गया. कई स्थानों पर जलपान एवं प्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी. आयोजन समिति द्वारा शोभा यात्रा को भव्य एवं अनुशासित बनाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी. वहीं सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया. थाना प्रभारी अवधेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा. बीडीओ एवं सीओ भी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर विधि-व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ. इस अवसर पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, वरिष्ठ भाजपा नेता सह समाजसेवी सुरेश

साव, समाजसेवी भाजपा नेता डॉक्टर. विजय सिंह गागराई, नगर भाजपा अध्यक्ष अनूप दुबे, पार्षद राजू प्रसाद कसेरा, स्वपन कुमार मिस्त्री, विनय बर्मन, बापी दत्ता, गोनू जायसवाल, समाजसेवी राम प्रताप बर्मन, प्रमेन्द्र सिंह चौहान, दीपक सिंह, चंदन विश्वकर्मा, नीकू स सिंह, देवेन मंडल, विवेक कुमार, मिथुन बाग सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

अंत में शोभा यात्रा सोनुआ बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर पहुंची, जहां भव्य आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि हिंदू नव वर्ष हमारी संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है.

उपायुक्त ने किया खादी मेला के समापन पर हस्तशिल्पकारों को सम्मानित

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को राज्य स्तरीय खादी प्रर्दशनी सह बिक्री कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उपायुक्त ने विभिन्न राज्यों से आए हस्तशिल्पकारों को सम्मानित किया। साथ ही, मेले के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण किया। उन्होंने खादी के वस्त्रों और हस्तनिर्मित उत्पादों की बारीकी से जानकारी ली और कारीगरों के हुनर की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण उद्योगों द्वारा तैयार किए गए ये सामान गुणवत्ता और कला का बेजोड़ संगम हैं।

इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान सभी को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री लकड़ा ने कहा की खादी मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि हमारे हस्तशिल्पकारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा, ₹ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए खादी और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना आज के समय की मांग है। आगे उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि गाँवों में कपड़ा बुनने वाली हमारी माताएं और बहनें अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। इस मेले ने उन्हें एक ऐसा प्लेटफार्म प्रदान किया है जो उनके हुनरमन्द होने का जीवंत प्रमाण है। उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को बाजार मिलने से न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर होंगी। साथ ही उपायुक्त ने खादी को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ते हुए कहा कि आज खादी एक बहुत महत्वपूर्ण ग्रामोद्योग का रूप ले चुका है। इसे अपने दैनिक जीवन और व्यवहार में लाने से मन में राष्ट्रीयता की भावना पनपती है। उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं ताकि स्थानीय कारीगरों को सबल मिले।

इस दौरान उपरोक्त के अलावा राज्य निर्देशक श्री मांगे राम, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी व संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

आंध्र तेलुगु समाज ने मनाया उगाधी नववर्ष

बिनय मिश्रा

नववर्ष अर्थात उमंग और हर्ष इन्हीं आनंदित वातावरण में आज महात्मा गॉधी उद्यान में तेलुगु समाज ने नववर्ष उगाधी मनाया। खुशनुमा वातावरण और समाज के सैकड़ों लोगों के साथ रंगारंग कार्यक्रम के बीच मनाया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत उनके द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ ही कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। वहीं सचिव एस पुष्प लता के द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया और पूर्ण विवरण दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना और भक्ति साधना से प्रारंभ हुआ और शिव पार्वती के तांडव नृत्य, सरस्वती वंदना,नववर्ष के गीत नन्हें बच्चों के द्वारा मनमोहक नृत्य तत्पश्चात नाटक की बेहतर प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध और भावविभोर कर दिया। अतिथि एवं पदाधिकारी गण तथा समाज के सभी लोगों ने नववर्ष पर एक दूसरे को बधाई और शुभ कामना दी।

1675 किलो जावा महुआ व 45 लीटर अवैध शराब नष्ट

मेट्रोरेज. संवाददाता

मेदिनीनगर : ईद, सरहुल एवं रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप संपन्न कराने हेतु पलामू पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अवैध देसी एवं विदेशी शराब के निर्माण एवं कारोबार के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। इस क्रम में दिनांक 17.03.2026 से 19.03.2026 तक व्यापक छापामारी एवं विनष्टीकरण की कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान

छतरपुर- जावा महुआ 30 किलोग्राम, पिपरा- जावा महुआ 160 किलोग्राम, सतबरवा- जावा महुआ 350 किलोग्राम, देसी शराब 20 लीटर, लेस्लीगंज- जावा महुआ 150 किलोग्राम, देसी शराब 10 लीटर, मोहम्मदगंज- जावा महुआ 20 किलोग्राम, देसी शराब 15 लीटर, पांडू- जावा महुआ 85 किलोग्राम, तरहसी- जावा महुआ 50 किलोग्राम,नावाजयपुर- जावा महुआ 450 किलोग्राम,विश्रामपुर- जावा महुआ 150 किलोग्राम, उंटारी रोड- जावा महुआ 100 किलोग्राम, पाटन- जावा महुआ 130 किलोग्राम इन क्षेत्रों के विभिन्न गांवों एवं जंगली इलाकों में अवैध महुआ जावा एवं देशी शराब के भंडारण एवं निर्माण स्थलों को चिन्हित कर नष्ट किया गया। कार्रवाई के क्रम में कुल 1675 किलोग्राम महुआ जावा एवं 45 लीटर अवैध देशी शराब को जब्त कर विधिवत विनष्टीकरण किया गया। इस दौरान कई स्थानों पर शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरणों को भी नष्ट किया गया तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

पलामू पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पर्व-त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आम नागरिकों से अपील की गई है कि अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

समस्याओं को लेकर जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

देवघर : जिले की जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीतिलता किस्कू की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय के सभागार कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास, अंचल, जेएसएलपीएस से जुड़े मामलों को समक्ष रखा गया। साथ ही जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीतिलता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें।इस दौरान उपरोक्त के अलावे संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

राम कथा श्रवण से जीवन में आता है धर्म,मयार्दा और शांति : देवी चंद्रकला

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : रेड़मा ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में आयोजित श्री राम चरित मानस नवाह परायण यज्ञ के प्रथम दिवस पर मानस विदूषी एवं राम कथा वक्ता देवी चंद्रकला ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्री राम कथा अनंत है और इसका श्रवण मनुष्य को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि राम कथा सुनने से जीवन में मयार्दा का बोध होता है तथा मन में शांति और सकारात्मकता का संचार होता है। देवी चंद्रकला ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श हमें सत्य,करुणा,त्याग, कर्तव्य और सम्मान के मार्ग पर चलना सिखाते हैं।राम कथा केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं,बल्कि मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने वाली दिव्य शिक्षा है। इसे श्रद्धा और विश्वास के साथ सुनने से मन के विकार दूर होते हैं आत्मबल बढ़ता है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति श्रद्धा भाव से राम कथा का श्रवण करता है उसके भीतर भक्ति,विनम्रता और सदाचार के गुण स्वतः विकसित होने लगते हैं।इससे परिवार और समाज में प्रेम,सौहार्द और नैतिकता की भावना मजबूत होती है। संत-महात्मा सदियों से राम कथा को लोककल्याण का सर्वोत्तम साधन बताते आए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से समय-समय पर राम कथा का श्रवण कर अपने जीवन को धर्ममय,मर्यादित और सार्थक बनाने का आह्वान किया।

इससे पूर्व नवनिर्वाचित डिप्टी मेयर मनोज सिंह ने श्री रामचरितमानस की भव्य आरती कर प्रवचन का शुभारंभ किया। उन्होंने रेड़मा ठाकुरबाड़ी में चल रहे 59वें अधिवेशन की सराहना करते हुए कहा कि इस पवित्र ग्रंथ से हमें जीवन जीने की महत्वपूर्ण सीख मिलती है।

कार्यक्रम में यज्ञ समिति के अध्यक्ष रिंकू तिवारी,कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण तिवारी ह्लबंटूह्व, मंत्री पिंकू तिवारी सहित कई गणमान्य लोग तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।